दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 10 अंक : 140 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शुक्रवार 13 जून, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 2 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

राजस्थान के भी 11 लोगों के मारे जाने की सूचना

अहमदाबाद में विमान क्रैश, शोक में डूब गया पूरा देश

गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी सहित 241 की मौत

जयपुर टाइम्स/नई दिल्ली(कासं.)।। गुरुवार को अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है। इस हादसे में विमान में सवार सभी 241 लोगों की मौत हो गई है। जबकि चमत्कारिक रूप से एक यात्री के बचने की खबर है। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनका नाम रमेश विश्वस कुमार बताया जा रहा है। वे 11ए सीट पर सफर कर रहे थे। यह जंकारी अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने दी है।

डीएनए टेस्ट के बाद होगी पहचान

इस विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी सवार थे। विमान में 242 पैसेंजर सवार थे। इनमें 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। हादसे की जगह से अब तक 100 शव मिलने की खबर है। ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। स्वास्थ्य प्रमुख सचिव धनंजय द्विवेदी के अनुसार अहमदाबाद सिविल अस्पताल ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृतकों के परिजनों की पहचान के लिए उनके डीएनए सैंपल लेने की व्यवस्था की है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के कसोटी भवन में डीएनए सैंपल देने की व्यवस्था की गई है।

अहमदाबाद से लंदन जा रहा था विमान

, एयर इंडिया का विमान एआई171 हादसे का शिकार हुआ है, जो अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। यह विमान बोइंग B787 एयरक्राफ्ट वीटी-एएनबी था। हादसे की सूचना मिलते ही गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल भी अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी गुजरात सीएम और अहमदाबाद के कमिश्नर से फोन पर बात की है और उनसे हालात के बारे में जानकारी ली। साथ ही गृह मंत्री ने हरसंभव मदद की बात कही। एअर इंडिया ने भी हादसे की पुष्टि की है और बयान में कहा है कि वे हालात की समीक्षा कर रहे हैं।

शब्दों में नहीं कर सकते बयांः पीएम मोदी

अहमदाबाद में दुखद विमान दुर्घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे हृदयविदारक बताया, जिसे शब्दों में बयां नहीं कर सकते। दुर्घटना से स्तब्ध और दुखी प्रधानमंत्री मोदी ने गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह को तत्काल अहमदाबाद रवाना किया। इसके साथ ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडु को पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री लगातार अहमदाबाद में राहत बचाव कार्य व घायलों हो दी जा रही तत्काल सहायता की जानकारी लेते रहे।

अमित शाह अहमदाबाद पहुंचे

इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखे पोस्ट में अपनी संवेदना प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संकट इस घड़ी में वे सभी संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों के साथ संपर्क में है और बचाव व राहत कार्यों के साथ-साथ पीड़ित परिवारों की सहायता के उठाए जा रहे कदमों की खुद निगरानी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद अमित शाह अहमदाबाद पहुंचे और वहां राहत व बचाव में लगे एजेंसियों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी संभाल ली। अमित शाह गुजरात की राजधानी गांधीनगर से सांसद हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश पर राममोहन नायडु भी अहमदाबाद पहुंच गए

सीएम भजनलाल शर्मा ने जताया दुख

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर हुए बड़े विमान हादसे पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है. उन्होंने एक्स पर लिखा, 'एयर इंडिया की फ्लाइट के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत दुःखद एवं चिंताजनक है. इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सभी यात्रियों एवं क्रू मेंबर्स की कुशलता एवं सुरक्षा हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता हूं.'

विमान हादसे में राजस्थान के 11 लोगों की मौत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे में राजस्थान के 11 लोग सवार थे। विमान में सवार एक ही परिवार के पांच लोग बांसवाड़ा के रहने वाले थे। वहीं, मार्बल कारोबारी के बेटा-बेटी समेत चार लोग उदयपुर, एक बालोतरा और एक बीकानेर के रहने वाले थे। विमान हादसे में सभी की मौत हो गई है। उनके घरों में मामत पसर गया है। सीएम भजनलाल शर्मा ने परिजनों से बात कर उन्हें ढांढस बंधाया हैं।

बांसवाड़ा के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

जानकारी के अुनसार, भीषण हादसे का शिकार हुए एयर इंडिया के विमान से बांसवाड़ा की रातीतलाई कॉलोनी में रहने वाले डॉक्टर जेपी जोशी के बेटे प्रतीक, बहू डॉ कौमी और तीन बच्चे मिराया, नकुल और प्रद्युत लंदन जा रहे थे। हादसे में पांचों की मौत हो गई।

उदयपुर के मार्बल करोबारी के बेटा-बेटी समेत चार की मौत

उदयपुर के मावली में रहने वाले प्रकाश मेनारिया पुत्र नारायण मेनारिया (48) और वर्दी चंद पुत्र नारायण लाल (54) निवासी वल्लभनगर भी फ्लाइट में सवार थे। दोनों पेशे से शेफ थे और साथ में यात्रा कर रहे थे। इसके अलावा उदयपुर के सहेली नगर में रहने वाले मार्बल कारोबारी संजीव मोदी के बेटे शुभ मोदी (25) और बेटी शगुन मोदी (22) भी इसी फ्लाइट में यात्रा कर रहे थे। दोनों भाई बहन लंदन घूमने जा रहे थे। दोनों ने एमबीए किया था और अपने पिता का बिजनेस संभाल रहे थे। हादसे में सभी की मौत हो गई।

पूर्व विधायक के कारोबारी दोहिते की मौत

एयर इंडिया के क्रैश हुए प्लने में बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ के पूर्व विधायक किशनाराम नाई के दोहिते अभिनव परिहार पुत्र शिव परिहार भी सफर कर रहे थे। अभिनव लंदन में बिजनेस करते थे। हादसे में उनकी भी मौत हो गई है।

सीएम ने परिजनों ने की बात, जताया दुख

हादसे के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुभ और शगुन के परिजनों के अलावा हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के परिवार वालों से फोन पर बात की। सीएम शर्मा ने दुख जताते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया और किसी भी प्रकार के सहयोग की बात कही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और सरकार आपके साथ है।

डीजीसीए ने बताया- पायलट ने मेडे की कॉल की थी

डीजीसीए ने बताया कि विमान में दो पायलट और केबिन क्रू के 10 सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे। विमान को कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। डीजीसीए ने बताया कि विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट ने एटीसी को मेडे की कॉल की थी, लेकिन जब एटीसी ने एयरक्राफ्ट से संपर्क साधने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। विमान उड़ान भरते ही एयरपोर्ट परिसर के बाहर गिर गया, जिसके बाद धुएं का बड़ा गुबार दिखाई दिया। विमान हादसे के बाद बचाव और राहत कार्य के लिए एनडीआरएफ की कई टीमें मौके पर भेजी गई हैं। गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी इस विमान में सवार थे।

नागरिक उड्डयन मंत्री बोले- सभी एजेंसियां अलर्ट पर

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने विमान हादसे पर कहा कि 'अहमदाबाद विमान हादसे की खबर से दुखी और हैरान हूं। हम अलर्ट पर हैं और मैं निजी तौर पर हालात की समीक्षा कर रहा हूं। सभी उड्डयन आपात एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समन्वय तरीके से और तेजी से कार्रवाई करें। बचाव टीमों को भी मौके पर भेजा गया है और चिकित्सा सुविधाओं को भी अलर्ट किया गया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं विमान में सवार लोगों और उनके परिजनों के प्रति हैं।' राम मोहन नायडू ने बताया कि वे डीजीसीए, एएआई के शीर्ष अधिकारियों के संपर्क में हैं।

डॉक्टर्स हॉस्टल पर क्रैश हुआ विमान

अहमदाबाद के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट डॉक्टर्स हॉस्टल पर क्रैश हुई। सूचना मिलने के 2-3 मिनट के भीतर ही पुलिस अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। करीब 70-80 प्रतिशत इलाका क्लीयर करा लिया गया है। सभी एजेंसियां काम में जुटी हैं।

37 साल पहले भी यात्री विमान क्रैश से दहला था अहमदाबाद

19 अक्तूबर 1988 को भी अहमदाबाद एयरपोर्ट के करीब एक बड़ा विमान हादसा हुआ था। उस हादसे में 113 लोगों की मौत हुई थी। उस दिन बोइंग 737-200 विमान ने सुबह 6.05 बजे मुंबई से उड़ान भरी। 6.20 बजे पायलट ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से कम दृश्यता के चलते मौसम की जानकारी मांगी। हालांकि, अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचने के बाद पायलट ने लैंडिंग की अनुमति नहीं मांगी और सुबह 6.53 बजे चिलोदा कोतरपुर के करीब एक पेड़ और बिजली के ट्रांसमिशन टावर से टकरा गया। बताया जाता है कि कॉकपिट में मौजूद वॉयस रिकॉर्डर से सामने आया था कि विमान में दोनों पायलट कम दृश्यता के चलते रनवे खोजने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान वे विमान को नीचे भी उतारते जा रहे थे।

मार्बल डीलर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में प्याऊ का हुआ शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। प्रचंड एवं भीषण गर्मी के चलते हुए चिल चिलाती धूप में सड़क पर आने जाने वाले राहगीरों को शीतल जल पिलाने हेतु अलवर मार्बल डीलर्स एसोसिएशन (रजि.) के तत्वाधान में मार्बल व्यापारियों द्वारा 200.फीट रोड पर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ संयुक्त व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष हरमीत सिंह मेहंदीरत्ता महामंत्री रामलाल सैनी वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश शर्मा रमेश नरवानी लीलाराम सैनी एवं एन. ई. बी.थानाधिकारी दिनेश मीणा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता महामंत्री मुकेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष प्रमोद गोयल, अभय सिंह यादव, शंभू सिंह जादौन, रविंद्र बिंदल, नितिन जैन, राशिद खान, राजेंद्र जैन, हुकम चंद गुप्ता, जयदेव सिंह, बने यादव, देवेंद्र यादव, विपिन नरूला, कुंदन यादव, दयाराम खड़िया आदि उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने किया नशा मुक्त भारत अभियान के पोस्टर का विमोचन

नशा मुक्ति से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर आमजन को किया जाएगा जागरूक

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में नशा मुक्त भारत अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार नशे की रोकथाम हेतु जन जागरूकता फैलाने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से नशा मुक्त भारत अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान जिले में 26 जून तक आयोजित होगा जिसके तहत मिनी मैराथन, नुक्कड नाटक, सेमिनार एवं नशे के खिलाफ शपथ आदि गतिविधियां आयोजित कर समाज को नशा मुक्त बनाए जाने हेतु जागरूक किया जाएगा। इस दौरान एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, जिला परिषद के सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र, प्रशिक्षु आईएएस ऐश्वर्यम प्रजापति सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

झुंझुनूं कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, जिला कलेक्टर को सौंपा 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले झुंझुनूं जिला कमेटी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन कर किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे और अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के माध्यम से किसानों ने सरकार से तुरंत राहत देने की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि जिले के किसानों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन प्रशासन और सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। किसानों ने 765 केवीए हाई टेंशन लाइन के टावरों के लिए उचित मुआवजे की मांग की, जो अब तक प्रभावित किसानों को नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि जिन खेतों से यह लाइन गुजर रही है, वहां फसल की बुवाई पर असर पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद सरकार मुआवजा देने से कतरा रही है। इसके साथ ही प्रदर्शन में शामिल किसानों ने 2022-23 में खराब हुई फसलों के लिए अब तक मुआवजा नहीं मिलने का मुद्दा उठाया और बचे हुए किसानों को तुरंत मुआवजा देने की मांग की। किसानों का कहना था कि मौसम की मार से कई किसानों की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई थीं, लेकिन मुआवजा केवल नाम ही है अभी तक नहीं मिला।

नीमकाथाना-पाटन में रॉयल्टी ठेके पर संकट

17 जून को फिर बोली, ठेकेदार नहीं आए तो 23 करोड़ का नुकसान तय!

जयपुर टाइम्स

नीमकाथाना/पाटन (निंस)। खनन विभाग के सामने नीमकाथाना-पाटन क्षेत्र में रॉयल्टी ठेका देने की चुनौती बनी हुई है। लगातार चार बार निविदा जारी करने के बावजूद ठेकेदारों की बेरुखी ने विभाग की चिंता बढ़ा दी है। अब विभाग ने 17 जून को पांचवीं बार निविदा जारी करने का फैसला लिया है। अगर इस बार भी कोई बोली नहीं लगाई गई तो विभाग को करीब 23 करोड़ रुपये के नुकसान का सामना करना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार, हर महीने विभाग को लगभग 2 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। बीते दो महीनों से रॉयल्टी ठेका नहीं हो पाने के कारण विभाग की राजस्व आय पर बड़ा असर पड़ा है। विभाग ने इस बार निविदा राशि 125 करोड़ से घटाकर 103 करोड़ रुपये निर्धारित की है। बारिश के मौसम में खनन कार्य करीब 40 प्रतिशत तक प्रभावित हो जाता है। खदानों में पानी भरने के कारण कई खनन साइट बंद करनी पड़ती हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यदि समय रहते ठेका नहीं हुआ तो आगामी महीनों में यह नुकसान 25 करोड़ रुपये तक भी पहुंच सकता है।अब सभी की निगाहें 17 जून की बोली पर टिकी हैं।

वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला हुई आयोजित

जिला कलक्टर ने औद्योगिक इकाइयों से इस वर्ष सीएसआर से अधिकतम जल संरक्षण के कार्य कराने का किया आह्वान

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत लगेंगे 30 लाख पौधे, सीएसआर से 4 लाख पौधे लगाने का दिया लक्ष्य

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत जिला स्तरीय सीएसआर की कार्यशाला आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित किया है जिसके तहत आमजन को जागरूक कर सरकारी योजनाओं के माध्यम से, सीएसआर, जन सहभागिता आदि से जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण एवं जागरूकता की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जीवन और विकास के लिए जल का कोई विकल्प नहीं है अतः जिले में जल संरक्षण के कार्यों की अधिकाधिक महती आवश्यकता है। उन्होंने जिले में कार्यरत औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से कहा कि जिले की भौगोलिक परिस्थितियों एवं गिरते भूजल के मध्यनजर जिले में जल संरक्षण के कार्य करने की बहुत संभावना है। अलवर जिले में सीएसआर के तहत वाटर कंसर्वेशन के अच्छे काम हुए है, उससे प्रभावित होकर गुजरात के पारीक फाउंडेशन ने हाल ही में जल संरक्षण हेतु अलवर शहर में 3 काम चिन्हित किए है जो 50 लाख रूपये की राशि से कराए जाएंगे। अतः जिले में संचालित औद्योगिक इकाइयां अपने सामाजिक दायित्व के तहत इस वर्ष सीएसआर के तहत अधिकतम जल संरक्षण के कार्य करावें। इन कार्यों में सरकारी स्कूलों में रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, एनीकेट, रिचार्ज साफ्ट, रूपारेल नदी के पुनरूद्धार कार्य में सहयोग एवं जल संरचनाओं की डिसिलटिंग व हरियालों राजस्थान के तहत पौधरोपण आदि कराए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि हरियालो राजस्थान अभियान भी पर्यावरण संरक्षण व जल संरक्षण के लिए महत्वाकांक्षी अभियान है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जिले में 30 लाख पौधे लगाए जाने है, जिसमें करीब 4 लाख पौधे सीएसआर के तहत लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए उन्होंने जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक एवं रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक को निर्देशित किया कि औद्योगिक इकाइयों व जिला प्रशासन के मध्य समन्वय स्थापित कर दिए गए लक्ष्य से आगे बढकर पौधे लगवाएं। उन्होंने बताया कि जिले में 16 लाख 816 पौधे तो वन विभाग की नर्सरियों में तैयार किए जा रहे हैं तथा पंचायती राज विभाग द्वारा भी पौधे तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि एनएचआई से समन्वय कर अलवर जिले से गुजर रहे दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे पर पौधारोपण करावे। साथ ही जिले की प्रमुख सडकों पर भी पौधारोपण कराया जाना सुनिश्चित करावे। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत जिला परिषद के द्वारा चिन्हित स्थानों पर भी जल संरक्षण के कार्य करा सकते हैं। कार्यशाला में जिला कलक्टर ने उपस्थित लोगों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की शपथ दिलाई। वाटरशेड विभाग जयपुर की उप निदेशक सुशीला यादव ने पीपीटी के माध्यम से जल संरक्षण के कार्यों के बारे में तथा पीपीटी के माध्यम से ही डीएफओ अलवर राजेन्द्र हुड्डा ने हरियालो राजस्थान अभियान के बारे में विस्तार से बताया। जिला परिषद के सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र ने बताया कि मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान, हरियालो राजस्थान, कर्मभूमि से मातृभूमि, एक पेड मां के नाम जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत जिले में जल संरक्षण एवं भूजल स्तर में वृद्धि हेतु विभिन्न गतिवधियां आयोजित की जा रही है। बैठक में एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, जिला परिषद के सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक एम.आर मीणा, रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक परवेश सक्सेना, चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, मत्स्य उद्योग संघ के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, शशांक झालानी, गोपेश शर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

वन राज्यमंत्री ने 10 व 12 कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभावानी बेटियों को किया सम्मानित

बालिका शिक्षा पर दिया जोर, पौधारोपण करने व प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग नहीं करने का किया आह्वान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गुरूवार को दयानन्द सरस्वती मार्ग स्थित आर्य कन्या विद्यालय समिति द्वारा आयोजित शिक्षक एवं प्रतिभावान छात्राओं के सम्मान समारोह 2025 में शिरकत कर अध्ययन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं 10वीं और12वीं में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली 50 प्रतिभावान बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। वन राज्यमंत्री शर्मा ने प्रतिभावान बेटियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि जो समाज पढेगा वो निश्चित रूप से आगे बढेगा। अतः सभी समाज बेटियों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर उन्हें आगे बढने हेतु प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हमारी बेटियां शिक्षा प्राप्त कर प्रतिष्ठित पदों पर अपनी सेवाएं देकर देश का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड मां के नाम अभियान के तहत अधिकाधिक पौधारोपण करने, स्वच्छता व प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग नहीं करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 10वीं और12वीं में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली विद्यालय की प्रतिभावान बेटियों को प्रकृति एवं वन्यजीवों की जानकारी व जागरूकता प्रदान करने हेतु सरिस्का वन्यजीव क्षेत्र में भ्रमण कराया जाएगा। इस दौरान उन्होंने आर्य कन्या विद्यालय के परिसर में अपने दैनिक पौधारोपण करने के संकल्प के तहत पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद गुप्ता, अशोक आर्य, प्रदीप आर्य, बाबू झालानी, सुरेंद्र सक्सेना, कमला शर्मा, प्रदुमन कुमार गर्ग, सुरेश मेहता, अशोक मेठी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति, शिक्षकगण एवं बडी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिलेभर में उत्साह के साथ हुई जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित

अभियान के तहत आमजन जल संरक्षण का महत्व समझ कर कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक निभा रहे हैं सहभागिता

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में जिले में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत आज जिले के समस्त ब्लॉकों में पौधारोपण हेतु गड्ढे खुदाई, पौधरोपण, जल संरक्षण शपथ, जलस्रोत की साफ-सफाई आदि गतिविधियां आयोजित हुई जिसमें आमजन ने उत्साह के साथ भागीदारी निभाई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रवीन्द्र ने बताया कि अभियान के तहत जिलेभर में बांधों एवं जल संरचनाओं पर आमजन की सहभागिता से जिले के जल स्त्रोतों की साफ-सफाई हेतु श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जल स्त्रोतों के आसपास से झाडियों व अनावश्यक अवरोधों को हटाया गया तथा जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए मरम्मत आदि कार्य किए गए। साथ ही जल संरचनाओं के आसपास क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण किया जाकर आमजन को इनके रखरखाव हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि अभियान के कार्यक्रमों की श्रृंखला में मिनी सचिवालय कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला का आयोजन किया गया, स्वायत शासन विभाग द्वारा मीणा पाडी जोहड पर श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम व जल शपथ दिलाई, कृषि एवं उद्यान विभाग द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान के तहत लगाए जाने वाले पौधों के लिए गड्ढे खुदाई की गई तथा सूक्ष्म सिंचाई पद्धति पर कार्यशाला एवं ग्राम अलावडा केवीके नौगांव में प्रदर्शनी लगाई गई। पीडब्ल्यूडी द्वारा सरकारी भवनों में आरटीडब्ल्यूएचएस सफाई एवं रखरखाव कार्यक्रम आयोजित कराया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में आमजन उत्साहपूर्वक बढचढकर भाग ले रहे हैं।

मीणा पाडी जोहड में स्वच्छता हेतु किया गया श्रमदान, पार्कों एवं महापुरूषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई

जल, स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान की दिलाई शपथ,शहर के बाजारों में कपडे के थैलों का किया वितरण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अन्तर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रातः नगर निगम की टीम, स्थानीय लोगों एवं पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से शहर के मीणा पाडी स्थित जोहड में स्वच्छता हेतु श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा उपस्थित लोगों ने जल, स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान का संकल्प लिया गया। नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि अभियान के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा और मुख्यमंत्री शहरी गारंटी योजना के श्रमिकों द्वारा मनुमार्ग एवं शांतिकुंज क्षेत्रा के पार्कों में साफ-सफाई, झाडी कटाई का कार्य किया गया। नगर निगम की अग्निशमन टीम द्वारा शहर में स्थापित महापुरूषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं नगर निगम द्वारा बनाये गए वर्षा जल संचयन संरचनाओं की मरम्मत और सफाई कार्य किया गया। राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड एवं लघु उद्योग भारती के सहयोग से प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपडे के थैले के प्रयोग को बढावा देने के लिए शहर के बाजार में कपडे के थैले वितरित किए गए।

सीईओ श्वेता कोचर ने जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति की बैठक में दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार गुरुवार को सीईओ श्वेता कोचर ने जिला परिषद कार्यालय में माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण और कल्याण अधिनियम (2007 का अधिनियम संख्याक 56) के क्रियान्वयन के संबंध में वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण नियम, 2010 के नियम 23 अंतर्गत अधिनियम के प्रभावी व समन्वित क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर गठित जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति की बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के भरण - पोषण से संबंधित प्रकरणों के 90 दिवस में निस्तारण करने तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत्त प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण कर नियमानुसार सहायता राशि पीड़ितों को दिये जाने के निर्देश दिए। कोचर ने माता, पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण - पोषण तथा कल्याण अधिनियम के अन्तर्गत उपखण्ड स्तर पर पंजीबद्ध प्रकरणों, हाथ से मैला उठाने वाले कार्मिकों का नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास नियम 2014 के तहत जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत्त प्रकरणों की समीक्षा कर निर्देश दिए। एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बैठक का संचालन करते हुए प्रकरणों की जानकारी दी। इस दौरान अभियोजन उपनिदेशक दिलावर सिंह, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, सदस्य ओमप्रकाश तंवर, प्रो एचआर ईसराण, आदूराम, सहायक सांख्यिकी अधिकारी कपिल देव आदि उपस्थित रहे।

आमजन को दें बेहतरीन सेवाएं, प्रकरणों का हो नियमित निस्तारण: सोनी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार सम्पूर्ण जिले में गुरुवार को अटल जन सेवा शिविर आयोजित किए गए। एडीएम अर्पिता सोनी ने गुरुवार को चूरू पंचायत समिति सभागार में आयोजित अटल जन सेवा शिविर में आमजन के अभाव - अभियोग सुने और अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। एडीएम सोनी ने कहा कि आमजन को बेहतरीन सेवाओं का लाभ दें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। अधिकारी अपने विभाग से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में गंभीरता बरतें और नियमित निस्तारण कर फरियादियों को राहत प्रदान करें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों को 'वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत जल संरक्षण का संकल्प दिलाया और पर्यावरण व जल संरक्षण कर जैव विविधता के संवर्धन की बात कही। अटल जन सेवा शिविर में ढाढ़र में नलकूप दुरूस्त करवाने, चूरू मुख्यालय पर भालेरी रोड़ पर आपणी योजना कार्यालय के सामने पाइपलाइन लीकेज ठीक करवाने, कोटवाद ताल से दूधवाखारा सड़क के समतलीकरण, देपालसर में विद्युत आपूर्ति सुचारू करवाने व आसलखेड़ी में पानी भराव से रास्ते के अवरूद्ध होने, जन्म प्रमाण पत्र बनवाने व पंजीयन आदि सहित कुल 10 परिवाद प्राप्त हुए, जिनमें से जन्म प्रमाण -पत्र व पंजीयन से संबंधित 05 परिवादों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने सभी विभागाधिकारियों को प्रकरणों का निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार अशोक गोरा, बीडीओ महेन्द्र भार्गव, एक्सईएन पूर्णिमा यादव, रेंजर पवन शर्मा सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान क्रेश हादसे पर राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान क्रेश हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

ग्राम पंचायत तसीमो में रात्रि चौपाल का आयोजन आज

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। ग्राम पंचायत तसीमो में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना ने बताया कि जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में 13 जून को ग्राम पंचायत तसीमो उपखण्ड सैपऊ में सायं 6 बजे से रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

31 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 3 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में न्यू सांगानेर रोड़ मानसरोवर, जनपथ लालकोठी मण्डी, प्रताप नगर बम्बाला, हल्दी घाटी मार्ग डी-मार्ट, इण्डिया गेट, बालाजी मोड़ सर्किल, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरुद्ध 31 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 3 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में न्यू सांगानेर रोड़ मानसरोवर, जनपथ लालकोठी मण्डी, प्रताप नगर बम्बाला, हल्दी घाटी मार्ग डी-मार्ट, इण्डिया गेट, बालाजी मोड़ सर्किल, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 3 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 31 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

कुम्भकर्णी नींद से जागी नगरपालिका, कस्बे में शुरू करवाई सफाई

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। सफाईकर्मियों की एक माह से जारी हड़ताल के चलते कस्बे के गली-मोहल्लों व आम रास्तों पर लगे कचरे के ढेर और गन्दगी से भरी नालियों की सड़ांध से परेशान कस्बेवासियों द्वारा बुधवार को ईमेल के जरिए राज्य मानवाधिकार आयोग, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रमुख सचिव सुधांश पंत व सम्भागीय आयुक्त को शिकायत भेजने और नगरपालिका द्वारा सफाई व्यवस्था को लेकर एक माह से बरती जा रही उदासीनता को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार विरोध के स्वर मुखरित होने के बाद आखिर नगरपालिका अपनी कुम्भकर्णी नींद से जागी और गुरुवार को बाहर से बुलवाए गए सफाईकर्मियों द्वारा कस्बे में परकोटे के अंदर डफोला-लाल बड़ली चौराहा,शीतला माता गली समेत अन्य जगहों की सफाई शुरू करवाई गई।विदित हैं कि परकोटे के अंदर गन्दगी की वजह से हालात ज्यादा ही खराब हैं।वैसे बाहरी बस्तियों में नालों की सफाई विगत सोमवार से शुरू कर दी गई थी। वहीं घर-घर से ट्रैक्टर-ट्रॉली द्वारा कचरा संग्रह शुरू से ही जारी हैं। कस्बेवासियों का कहना हैं कि यह वैकल्पिक सफाई व्यवस्था अगर पहले ही करवा दी गई होती तो आमजन को एक महीने तक परेशान नहीं होना पड़ता।जब विवाद नगरपालिका और सफाईकर्मियों के बीच था तो कस्बेवासी इसका खामियाजा क्यों भुगते कस्बे में पसरी गन्दगी की वजह से एक महीने तक आमजन को जो तकलीफ झेलनी पड़ी उसका जिम्मेदार कौन हैं?कस्बेवासियों का यह भी कहना हैं कि अभी जो वैकल्पिक व्यवस्था की गई हैं वो आगे भी जारी रहेगी या 'चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात' वाली कहावत चरितार्थ होगी।इधर, सफाईकर्मचारी संघ अध्यक्ष मोहन घूसर का कहना हैं कि सफाई कर्मचारी गांवहित को देखते हुए फिर से काम पर लौटना चाहते हैं लेकिन सार्थक पहल नहीं की जा रही हैं।

शिविर के दौरान बच्चों ने मैजिक़ शो देखा

जयपुर (कासं.)।पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से आयोजित ग्रीष्मकालीन बाल अभिरूचि के दौरान बच्चों को जादूगर सम्राट नन्दकिशोर मंदोलिया का जादूई शो दिखाया। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा एवं महासचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य अनिता शर्मा के संयोजन में आयोजित शिविर के दौरान गुरूवार को जादू शो में जादूगर ने अपने मायाजाल से वाटर ऑफ इण्डिया, आग से कबूतर, अंगूठी गायब सहित अनेक हैरतअंगेज कारनामें दिखाए। सम्मोहन विधा से नृत्य जैसी अनेक जादुई करतब दिखाए। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य निखलेश शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार उपस्थित रहे। प्रेस क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी ने गुरूवार, 13 जून को आयोजित होने वाला शिविर समापन समारोह अहमदाबाद विमान हादसे के कारण स्थगित कर दिया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री का डूंगरपुर दौरा

तय समयावधि में पूर्ण हो कार्य ताकि आमजन हो सकें लाभान्वित: अविनाश गहलोत

आमजन की प्राथमिक आवश्यकता बिजली और पानी की सुचारू हो व्यवस्था, करें प्रभावी मॉनिटरिंग

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत गुरूवार को डूंगरपुर दौरे पर रहे। उन्होंने निर्देशित किया है कि सरकार द्वारा किसी भी योजना के अंतर्गत शुरू किये गए कार्यों को प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ और पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता से तय समय अवधि में पूर्ण करें ताकि उसका वास्तविक लाभ आमजन को मिल सकें। मंत्री गहलोत ने सर्किट हाउस में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में विभिन्न विभागों के प्रगतिरत कार्यो, बजट घोषणाओं, विभिन्न योजनाओं, अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आमजन की प्राथमिक आवश्यकता बिजली और पानी है, ऐसे में इनका सुचारू वितरण हो इसके लिए इस विभाग के अधिकारी प्रभावी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने विद्युत विभाग में एफआरटी टीम की संख्या तथा नियुक्त कार्मिकों की भी जानकारी ली। उन्होंने ने कहा कि आवश्यकता होने पर डिमांड भेजें। इसके साथ ही उन्होंने अधीक्षण अभियंता एवीएनएल से बजट घोषणा के अंतर्गत आवंटित जीएसएस के लिए भूमि आवंटन टेंडर लगने, गत घोषणा की कार्य पूर्णता आदि के बारे में भी जानकारी ली। गहलोत ने जल जीवन मिशन, कंटीन्जेंसीज कार्य आदि के बारें में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिशासी अभियंता पीएचईडी को जल जीवन मिशन में सर्वे करा कर अब तक जो अधूरे कार्य हैं उन्हें पूर्ण करने, जल जीवन मिशन प्रोजेक्ट के दौरान टूटी हुई सड़कों को सही करने एवं अन्य कार्य को पूर्ण करने के निर्देशित दिए। मंत्री श्री गहलोत ने बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता विभाग उपनिदेशक से पेंशन वेरिफिकेशन की जानकारी ली। इसके साथ ही मंत्री गहलोत ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के द्वारा दिव्यांगों के लिए शुरू की गई नई योजनाओं जैसे वंचित और निराश्रितों के लिए हेल्थ कार्यक्रम, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी श्रेणी के दिव्यांगों के लिए शुरू की गई योजनाओं तथा बाल श्रम के रोकने हेतु जागरूकता, आस्था कार्ड, दिव्यांगों को दिए जाने वाले उपकरण, विभिन्न पेंशन योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी श्रेणी के दिव्यांगों के लिए शुरू की गई योजना का व्यापक प्रचार करते हुए अधिक से अधिक पात्र को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की जानकारी लेते हुए श्रम नियोजन, चल रहे कार्यों आदि की जानकारी ली। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जिले में सीएचसी, पीएचसी, मेडिकल कॉलेज, चिकित्सालय तथा चिकित्सा सुविधाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सा विभाग में चल रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। बैठक में माइनिंग विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, आदि अन्य विभागों की भी समीक्षा की। गहलोत ने बैठक में 21 जून को योग दिवस, 26 जून को नशा मुक्ति दिवस, संकल्प से सिद्धि, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान अभियानों को आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण, जल की उपलब्धता, स्वस्थ जीवन, सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र आदि के लिए इन अभियानों को महत्वपूर्ण बताते हुए पूरी गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, बाल संबल योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि आदि के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान मंत्री अविनाश गहलोत ने नशा मुक्त भारत अभियान के पोस्टर का भी विमोचन किया।

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने सांवलिया सेठ मंदिर गौशाला में किया पौधारोपण, जल संरक्षण अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान

जयपुर टाइम्स

चित्तौड़गढ़(निसं.)। देवस्थान, गोपालन एवं पशुपालन मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने गुरुवार को चित्तौड़गढ़ जिले के प्रसिद्ध सांवलिया सेठ मंदिर मंडफिया परिसर स्थित गौशाला में "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" के तहत विभिन्न गतिविधियों का शुभारंभ किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जल बचाव और गौसेवा को जनभागीदारी से जोड़ने की अपील की। मंत्री कुमावत ने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत सिंदूर का पौधा रोपित कर लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण व पर्यावरण संतुलन आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। "खेत का पानी खेत में, घर का पानी घर में और गांव का पानी गांव में रहे" - इसी सिद्धांत पर हमें कार्य करना होगा। कार्यक्रम के दौरान कुमावत ने गौशाला में गाय को टीका लगाकर पशु स्वास्थ्य अभियान की शुरुआत की। साथ ही, जल सरोवर की सफाई कर स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि मंदिर परिसर में गौमाता की प्रतिमा तथा गौशाला में सांवलिया सेठ जी का छोटा मंदिर स्थापित किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं में सेवा भाव बढ़े। मंत्री कुमावत ने पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट के एक लाख पौधे लगाने के संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि पौधों की देखभाल भी हमारी साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर जिला कलक्टर आलोक रंजन भी मौजूद रहे। दोनों ने मिलकर सांवलिया सरोवर की सफाई अभियान की शुरुआत की और मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात मंत्री कुमावत ने "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" की प्रगति को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। कार्यक्रम की शुरुआत में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक ने अभियान की विस्तृत जानकारी साझा की।

अन्न भण्डारण योजना के तहत बने गोदाम अब किराये पर मिलेंगे, पैक्स की आय होगी सुदृढ़

सहकारिता विभाग ने जारी की मानक संचालन प्रक्रिया, नैफेड व एनसीसीएफ ने भी जताई रुचि

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सहकारिता विभाग द्वारा राज्य में 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के तहत अन्न भण्डारण के लिए बनाए जा रहे गोदाम अब किराये पर उपलब्ध कराए जाएंगे। विभाग ने इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी कर दी है, जिससे प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) को नियमित आय का जरिया मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर भंडारण की सुविधा बढ़ाने और पैक्स की आय सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार की वित्तीय सहायता से बन रहे इन गोदामों के किराये के लिए दो प्राथमिकता विकल्प निर्धारित किए गए हैं। पहले विकल्प में किसानों के लिए अन्न भंडारण, मिड डे मील, उचित मूल्य दुकान, कृषि उत्पाद आदि के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आपातकालीन स्थितियों में खाद्यान्न संग्रहण, तथा अंततः यदि सरकारी उपयोग संभव न हो तो निजी प्रतिष्ठानों को भी किराये पर देने की व्यवस्था की गई है। दूसरे विकल्प के तहत, समिति के सदस्यों व कृषकों को फसल भंडारण हेतु प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा मशीनरी, खाद-बीज जैसी सामग्री के लिए भी गोदाम किराये पर दिए जा सकेंगे। राजपाल ने बताया कि गोदाम किराये पर देने से पहले वार्षिक कैलेण्डर बनाया जाएगा, जिसकी स्वीकृति खण्डीय अतिरिक्त रजिस्ट्रार की अध्यक्षता वाली समिति देगी। गोदाम न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम तीन वर्षों के पंजीकृत अनुबंध के तहत किराये पर दिए जाएंगे। नैफेड ने राज्य के 11 जिलों में 58 गोदाम किराये पर लेने की सहमति जताई है, जबकि एनसीसीएफ ने भी पत्र लिखकर रुचि दिखाई है।

खाद्य सुरक्षा से कोई भी पात्र व्यक्ति न रहे वंचित: मंत्री सुमित गोदारा

'गिव अप' अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान, बारां में हुई योजनाओं की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

जयपुर/बारां(कासं.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को बारां के मिनी सचिवालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर सहित रसद विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से 26 जनवरी 2025 से नए लाभार्थियों को जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि 'गिव अप' अभियान एक नवाचार है, जिसके तहत सक्षम व्यक्ति स्वेच्छा से योजना का लाभ छोड़ रहे हैं ताकि जरूरतमंदों को उनका हक मिल सके। इसकी अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 तय की गई है। अब तक 21.09 लाख से अधिक अपात्र लाभार्थी योजना का लाभ छोड़ चुके हैं, जिससे राज्य सरकार को गेहूं वितरण में ही 400 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत हो रही है। मंत्री ने बारां जिले के लिए 'गिव अप' लक्ष्य एक लाख तय करने और इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। उन्होंने एनएफएसए के लंबित आवेदनों, पात्रता सत्यापन, निरीक्षण नियमितता और साप्ताहिक समीक्षा बैठकों के सख्त निर्देश दिए। प्रत्येक निरीक्षक को प्रतिदिन एक दुकान का निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। अपात्रों से लाभ की वसूली 31 अगस्त के बाद की जाएगी। मंत्री ने बताया कि खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत चार योजनाओं–प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी, मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना और दुर्घटना बीमा योजना–का समावेश है। उन्होंने कहा कि जहां अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही, वहां जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी, जबकि उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

वर्षा जल का संरक्षण कर जल का करे सदपयोग - प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत आयोजित किसान संगोष्ठी को किया संबोधित

प्रभारी मंत्री ने पंचायत समिति में की जनसुनवाई

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी गुरुवार को जिले के दौरे पर रहे, इस दौरान उन्होंने मोलासर पंचायत समिति में जनसुनवाई की और कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित किसान संगोष्ठी को संबोधित किया। "वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" के तहत आयोजित कृषक गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री चौधरी ने कृषकों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया और कृषि विभाग के सहयोग से सलाह लेकर खेती में जैविक आदानों का उपयोग करने की सलाह दी । उन्होंने कहा कि किसान वर्षा जल का संरक्षण करे और वैज्ञानिक तरीके अपनाकर फसलों की सिंचाई में बारिश के पानी का सदपयोग करे। इस दौरान उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को गांव-गांव में कृषक गोष्ठियों का आयोजन कर प्राकृतिक खेती हेतु कृषकों का चयन करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने कृषक गोष्ठी में कृषकों को किसानोंपयोगी योजनाओं की जानकारी के साथ ही खरीफ फसलों की उन्नत तकनिकी के बारे में विस्तार से बताया। प्रभारी मंत्री चौधरी ने की जनसुनवाई इससे पूर्व जिला प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने पंचायत समिति मोलासर में जनसुनवाई कर अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रभारी मंत्री को पेयजल आपूर्ति, बारिश के मौसम में होने वाले जल भराव सहित विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया, इस पर प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों की पेयजल से संबंधित समस्या के तत्काल निस्तारण के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर पुखराज सेन, पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र कुमार,अतिरिक्त जिला कलक्टर राकेश कुमार गुप्ता, मकराना पंचायत समिति प्रधान सुनीता भींचर, जितेंद्र सिंह जोधा, उपखंड अधिकारी विकास मोहन भाटी,सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, कार्यक्रम समन्वयक,वरिष्ठ वैज्ञानिक, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार,उप निदेशक उद्यान, सहायक निदेशक कृषि विस्तार कुचामन सिटी,कृषि अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। विमान हादसे के कारण प्रभारी मंत्री ने निरस्त किये डीडवाना में प्रस्तावित कार्यक्रम जिला प्रभारी मंत्री ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में जान गवाने वालों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और जिला मुख्यालय पर प्रस्तावित पौधारोपण व दीपदान के कार्यक्रम निरस्त कर दिए।

गलता तीर्थ मंदिर का हो सौन्दर्यकरण श्रद्धालुओं को मिले बेहतर सुविधाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मंदिर ठिकाना गलता जी, जयपुर की प्रबन्ध व्यवस्था, विकास कार्यो एवं श्रद्धालुओं को मंदिर में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में गुरूवार को जिला कलक्टर एवं प्रशासक मंदिर ठिकाना गलता जी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य गलता तीर्थ का सौन्दर्यकरण एवं श्रद्धालुओ को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने आगामी मानसून के दौरान श्रावण मास में होने वाली कावड़ यात्रा मे किसी प्रकार का हादसा न हो इसको ध्यान में रखते हुए 24 घण्टे सिविल डिफेन्स के वॉलिन्टियर्स की नियुक्ति करने के निर्देश उप नियन्त्रक नागरिक सुरक्षा विभाग अमित शर्मा को दिए है। उन्होंने आम श्रद्धालुओ की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए गलता तीर्थ परिसर में सरस पार्लर खोलने के निर्देश सरस डेयरी प्रबन्धक को दिए हैं। उन्होंने परिसर स्थित कुण्डों सहित सम्पूर्ण परिसर की बेहतर साफ सफाई व पार्किंग की व्यवस्था करवाने के निर्देश ए.डी.सी. नगर निगम हैरिटेज सुरेन्द्र सिंह यादव को दिए है। इसके साथ-साथ मंदिर परिसर में फल-फूल-माला प्रसाद की बेहतर व्यवस्था के साथ-साथ संविदा पर लगे सभी श्रमिकों को नियमानुसार नियमित रूप से पारिश्रमिक देने के निर्देश देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त रतनलाल योगी को दिए हैं। जिला कलक्टर ने आगामी मानसून को देखते हुए गलता परिसर स्थित क्यारा बांध एवं राजा कुण्ड में से मिट्टी खाली करवाकर चारों ओर सुरक्षा दीवार का निर्माण करवाने के निर्देश वन विभाग को दिए हैं। उन्होंने मंदिर ठिकाना गलता जी की स्वामित्व की किराये पर चल रहीं दुकानों के किराये की वर्तमान दरों के अनुसार पुनः निर्धारण करवाने के संबंध में निर्देश देवस्थान व सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होने गलता जी के समस्त विद्युत एवं पेयजल कनेक्शनों को मंदिर के नाम ट्रांसफर की कार्यवाही करवाने के निर्देश अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार को दिए हैं। इस दौरान सहायक आयुक्त द्वितीय देवस्थान विभाग महेन्द्र देवतवाल, उप अधीक्षक पुरातत्व विभाग मनोज कुमार द्विवेदी, कनिष्ठ अभियन्ता नगर निगम जयपुर हैरिटेज कुलदीप शर्मा,एस.ई. जे.डी.ए. महेश गोयल, उपायुक्त आदर्श नगर युगांतर, एक्स.ई.एन. जे.वी.वी.एन.एल. नागेश अग्रवाल, ए.सी.एफ. एन.बी.पी. देवेन्द्र सिंह राठौड़ सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

वैवाहिक संबंधों में विश्वास का खात्मा

> *अपराध को अपराध की तरह देखना चाहिए। स्त्री-पुरुष नहीं करना चाहिए। इसीलिए लंबे अर्से से मांग हो रही है कि स्त्रियों संबंधी कानूनों को लैंगिक भेद से मुक्त किया जाए। स्त्री या पुरुष, जो भी अपराधी हो, उसे सजा मिले। कई महिलाएं टीवी डिबेट्स में कह रही हैं कि सोनम का मीडिया ट्रायल किया जा रहा है, जबकि वह राजा के घर वालों से बात कर रहा है तो सोनम और राज कुशवाहा के घर वालों से भी। जब किसी पुरुष के आरोपित बनते ही उसके परिवार वालों को रात-दिन दिखाया जाता है, तब ऐसे विचार क्यों प्रस्फुटित नहीं होते? दुष्कर्म के मामलों में महिलाओं के तो नाम बताना, चित्र दिखाना अपराध है, लेकिन पुरुषों के चित्र हर वक्त दिखाए जाते हैं। अगर वे निर्दोष साबित हो जाते हैं तो क्या उनकी और उनके परिवार की खोई प्रतिष्ठा वापस मिलती है? अनेक बार तो नौकरी तक चली जाती है। इस प्रसंग में 1988 का चर्चित इंदु अरोड़ा-अजीत सेठ कांड याद आता है।*

पति को मारकर उसके शव को नीले ड्रम में सीमेंट से ढकने वाली मेरठ की मुस्कान का केस ठंडा भी नहीं हुआ था कि इंदौर की सोनम का मामला सामने आ गया। कौन अपराधी है और कौन नहीं, अदालत किसे कितनी सजा देगी, यह वक्त बताएगा, लेकिन यह सोचकर दहशत होती है कि हनीमून के लिए मेघालय गई सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी को मरवा दिया।

ससुराल वालों के साथ खुश रहना, विवाह के समय नाचना-कूदना और मन में किसी और योजना का चलना। क्या सचमुच उसने राज कुशवाहा जैसे फटेहाल प्रेमी के लिए यह सब किया या किसी और के लिए? राजा की हत्या का राज खुलने के बाद कुछ लोग एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देकर कह रहे हैं कि 90 प्रतिशत से अधिक अपराध पुरुष करते हैं और स्त्रियां तो मात्र छह-आठ प्रतिशत ही ऐसा करती हैं। क्या यह कहा जा रहा है कि जब तक 92-94 प्रतिशत स्त्रियां भी अपराध न करने लगें, तब तक इन घटनाओं की अनदेखी की जाए? अपराध को अपराध की तरह देखना चाहिए। स्त्री-पुरुष नहीं करना चाहिए। इसीलिए लंबे अर्से से मांग हो रही है कि स्त्रियों संबंधी कानूनों को लैंगिक भेद से मुक्त किया जाए। स्त्री या पुरुष, जो भी अपराधी हो, उसे सजा मिले। कई महिलाएं टीवी डिबेट्स में कह रही हैं कि सोनम का मीडिया ट्रायल किया जा रहा है, जबकि वह राजा के घर वालों से बात कर रहा है तो सोनम और राज कुशवाहा के घर वालों से भी। जब किसी पुरुष के आरोपित बनते ही उसके परिवार वालों को रात-दिन दिखाया जाता है, तब ऐसे विचार क्यों प्रस्फुटित नहीं होते? दुष्कर्म के मामलों में महिलाओं के तो नाम बताना, चित्र दिखाना अपराध है, लेकिन पुरुषों के चित्र हर वक्त दिखाए जाते हैं। अगर वे निर्दोष साबित हो जाते हैं तो क्या उनकी और उनके परिवार की खोई प्रतिष्ठा वापस मिलती है? अनेक बार तो नौकरी तक चली जाती है।

इस प्रसंग में 1988 का चर्चित इंदु अरोड़ा-अजीत सेठ कांड याद आता है। हरीश से विवाहित इंदु के अजीत से संबंध थे। उन्हें लगता था कि उनके संबंधों में इंदु के दो छोटे बच्चे रोड़ा बन रहे हैं। दोनों ने मिलकर बच्चों पर मिट्टी का तेल छिड़का और आग लगा दी। उस समय इस घटना पर भी लोगों में काफी आक्रोश जागा। जब उन्हें जेल भेजा गया तो वहां कैदियों ने उनकी पिटाई की। मेघालय की घटना से राजा रघुवंशी और सोनम के साथ उन चार लड़कों के परिवार भी तबाह हुए, जिन्हें हत्या के आरोप में पकड़ा गया है। जो किसी अपराध को अंजाम देते हैं, उन्हें यह क्यों नहीं लगता कि वे पकड़े भी जाएंगे या यह सोचते हैं कि कुछ भी करके बच निकलेंगे? पुरुषों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था एकम न्याय फाउंडेशन की दीपिका भारद्वाज ने दो फिल्में बनाई हैं-मार्टरस आफ मैरिज और इंडियाज संस। वह पुरुष आयोग बनाने की मांग करती रही हैं। उन्होंने पत्नियों द्वारा पति की हत्या और पुरुषों की आत्महत्या के मामलों का अध्ययन किया था। इसके अनुसार देश भर में जनवरी 2023 से लेकर दिसंबर तक 306 पतियों और कई मामलों में उनके परिवार वालों की हत्या पत्नियों द्वारा की गई। इनमें से कुछ हत्याओं को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई। एक तरफ महिलाओं के बारे में कहा जाता है कि वे बहुत सशक्त हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ जैसे ही कोई स्त्री अपराध करती है, उसके बचाव में कहा जाने लगता है कि वह तो ऐसा कर ही नहीं सकती। क्यों नहीं कर सकती? आखिर वे स्त्रियां कौन हैं, जो जघन्य अपराध कर रही हैं? कई बार सोचती हूं कि किसी अपराध को साबित करने के लिए पुलिस के सामने भी कितनी चुनौतियां होती हैं। राजा की हत्या के मामले में मेघालय पुलिस को आलोचना का सामना करना पड़ा। वह जिस तरह बिना किसी प्रतिक्रिया के मामले की छानबीन करती रही, वह तारीफ के काबिल है। प्रतिक्रिया न देने पर सोनम और राजा के परिवार वाले उसकी लगातार आलोचना कर रहे थे। मेघालय में ऐसे अपराध न के बराबर होते हैं। वहां भी इस घटना पर लोगों में गुस्सा है। लोग दोनों परिवारों से माफी की मांग कर रहे हैं। कुछ कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर को बेवजह बदनाम किया गया। लोग पूछ रहे हैं कि यदि सोनम को राजा पसंद ही नहीं था तो उससे विवाह क्यों किया? यदि उसे इसकी चिंता थी कि मना करेगी तो हृदय रोगी पिता का क्या होगा, तो क्या अब वह बहुत खुश होंगे? वह नाते-रिश्तेदारों, आसपास वालों का सामना कैसे कर रहे होंगे? आखिर हमारे समाज में भरोसे में इतनी कमी (ट्रस्ट डेफिसिट) कैसे हो गई। इन दिनों आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि पति ने पत्नी को मार दिया। पत्नी ने पति को तरबूज में जहर मिलाकर खिला दिया। बेटी ने प्रेमी के लिए पूरे परिवार को मार डाला। पिता ने दूसरी शादी करने के लिए बच्चों का गला घोंटा। यदि अपनों का ही विश्वास न रहे तो आखिर हम दुनिया में किसका भरोसा कर सकते हैं। क्या यह कहने से समस्या हल हो सकती है कि विवाह संस्था सड़-गल चुकी है और अब इससे निजात पा लेनी चाहिए। पा लीजिए, लेकिन पति को पार्टनर कहने भर से स्थितियां नहीं बदल जातीं।

सम्पादकीय

एअर कंडीशनर का नया नियम - न बहुत ठंडा

अपने घर या कार्यालय को मनमर्जी के मुताबिक वातानुकूलित करने की प्रवृति अब लोगों को बदलनी होगी। क्योंकि, आने वाले दिनों में एसी (एअर कंडीशनर) की हवा को ज्यादा ठंडा करने का विकल्प ही मौजूद नहीं होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि केंद्र सरकार एअर कंडीशनर के तापमान का मानकीकरण करने वाली है। नए नियमों के तहत इसके तापमान को न्यूनतम 20 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस के दायरे में ही रखा जाएगा। इससे न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहद जरूरी है। कई देशों में इस तरह के नियम पहले से लागू हैं। भारत में भी इसको लेकर काफी पहले से विचार किया जा रहा था, लेकिन कुछ तकनीकी पहलू और सरकारी स्तर पर इच्छाशक्ति का अभाव इसमें रोड़ा बना हुआ था, पर अब सरकार ने इस दिशा में पहल करते हुए नए नियमों के मसविदे को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। देश में वातानुकूलन के लिए तापमान का मानकीकरण इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि गर्मियों के दिनों में बिजली की मांग चरम पर पहुंच जाती है। इसमें सबसे ज्यादा योगदान एअरकंडीशनर और हवा को ठंडा करने वाले अन्य उपकरणों का होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर वातानुकूलन के समय तापमान तय सीमा में रखा जाए तो देशभर में सालाना हजारों करोड़ यूनिट बिजली की बचत हो सकती है। इससे कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों पर भी दबाव कम होगा और कार्बन उत्सर्जन में भी खासी कमी आएगी। भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी यह पहल महत्त्वपूर्ण साबित हो सकती है। वैसे भी अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। जापान, इटली, स्पेन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में एअर कंडीशनर के तापमान को लेकर पहले से ही सख्त नियम लागू हैं। जापान में तापमान की सीमा 26 डिग्री, जबकि इटली और स्पेन में 23 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रखी गई है। ऐसा बताया गया है कि नया नियम फिलहाल सभी नए एअर कंडीशनर पर लागू होगा। यानी आने वाले दिनों में बाजार में उपलब्ध एअर कंडीशनर में तापमान 20 डिग्री से नीचे और 28 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं रखा जा सकेगा। इसका एक फायदा यह भी होगा कि बिजली की खपत कम होने से बिल की राशि भी कम होगी। यानी समाज के मध्यम वर्ग के लिए सरकार का यह कदम राहत भरा होगा। घरों के अलावा सार्वजनिक भवनों, होटलों, माल, कार्यालयों, विपणन केंद्रों और कारों में लगे वातानुकूलन उपकरणों पर भी ये नियम लागू होंगे। हालांकि, घरों में लगे पुराने एअरकंडीशनर को लेकर सरकार की ओर से अभी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। दूसरे पहलू से देखा जाए तो कमरे में बहुत कम तापमान रखना स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह है।

शिक्षा और संस्कृति

किसी विवादित कृत्य, नियम या परंपरा के तर्कों की बेहतर जांच एक निष्पक्ष तुला पर की जा सकती है। अगर किसी नियम या परंपरा से मिलने वाले लाभ का पलड़ा नुकसान से भारी है तो कुछ सुधार के साथ वह नियम या परंपरा ठीक ही है। अगर नुकसान ज्यादा है तो बिना किंतु-परंतु उसके विरुद्ध निर्णय अपेक्षित है। पिछले कई महीनों से हिजाब विवाद का विषय बना हुआ है, जिस पर कर्नाटक हाई कोर्ट के निर्णय, जिसमें शिक्षण संस्थाओं में हिजाब पहनकर जाने पर रोक लगा दी है, के विरुद्ध अब मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। अब निर्णय जो भी आए। उल्लेखनीय है कि यह मामला सिर्फ हिजाब का नहीं है। साथ ही इसके मूल में शिक्षा भी है। वह भी महिला शिक्षा और उसमें भी मुसलिम महिला, जिनकी शिक्षा में दयनीय स्थिति हैं। इसलिए यह मुद्दा बेहद संवेदनशील हो जाता है। अगर निर्णय में संतुलन नहीं साधा गया तो यह संबंधित महिलाओं की शिक्षा से दूरी को और बढ़ा सकता है। विवाद में मुख्य तौर पर तीन प्रश्न उठते हैं, जिनका समेकित जवाब बेहतर समाधान सुझा सकता है। पहला, कोई छात्रा अगर हिजाब पहनकर स्कूल जाती है तो अनुशासन कैसे भंग हो जाता है? दूसरा, क्या हिजाब शिक्षा से ऊपर है? जब स्कूल की निर्धारित परिधान है तो उसे पहनकर जाने में क्या समस्या? हिजाब सिर्फ स्कूल में ही तो प्रतिबंधित किया गया है, बाकी जगह तो पहनने में कोई आपत्ति नहीं। तीसरा, क्या अब हमारी संस्कृति के सभी पक्ष कानूनों से तय होंगे कि क्या पहना जाए, कहां पहना जाए, कहां न पहना जाए? ध्यान रहे, इस तरह के विषयों पर कानून जीवन की सहजता को सीमित कर देते हैं। वह भी एक ऐसे युग में जहां स्वतंत्रता एवं निजता जैसे मूल्य केंद्र में हैं। कुछ विषय विशेष प्रकृति के होते हैं, जिस पर बहस आखिर घाटे का सौदा होती है। हिजाब के मामले पर निर्णय में महिलाओं के हिजाब पर प्रतिबंध लगता है तो संभावना है कि जो छात्राएं हिजाब के अंदर घर से बाहर शिक्षा लेने निकली ही थीं, फिर से अंदर कर दी जाएंगी। अगर हिजाब की अनुमति मिलती भी है तो ऐसा वातावरण निर्मित होगा जो मनोवैज्ञानिक दबाव डालेगा तथा शिक्षण संस्थानों में अनुशासनहीनता का खतरा बढ़ेगा। इसका प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर प्रभाव शिक्षा पर ही पड़ेगा। सच तो यह है कि हिजाब की जितनी चर्चा विवादों में है, उतना हिजाब पहनना प्रचलन में नहीं है। जो छात्राएं हिजाब में घर से बाहर में निकली थीं, वे आज स्वजागरूक होकर विकास की प्रतिस्पर्धा में हिजाब को पीछे छोड़ती जा रहीं है। सर्वविदित है कि सामाजिक सुधार की गति धीमी होती है। अगर विवाद का समाधान संबंधित वर्ग की स्वेच्छा से हो तो बेहतर होगा। अगर शिक्षण संस्थानों की प्राथमिकता शिक्षित करना है और वेशभूषा द्वितीयक है, तो उसे द्वितीयक रहने दिया जाए।

बरसात का राग

> खासकर उत्तर भारत में ज्यादा उदासीनता दिखती है। घर के आंगन में तुलसी और आंवले जैसे उपयोगी पौधों के लिए भी जगह हम नहीं छोड़ना चाहते। क्यारियों का स्थान अब गमलों के स्टैंड ने ले लिया है। अव्वल तो फ्लैट संस्कृति ने घरों में सामान के लिए ही जगह नहीं छोड़ी है, उस पर हमारी मानसिकता भी अर्थोन्मुख अधिक हो गई है। हम घर की क्यारी तोड़ कर दुकान या एक कमरा बनवाना पसंद करते हैं, लेकिन पेड़ लगाना नहीं। हमारी पाठ्य-पुस्तकों से प्रकृति प्रेम की कविताएं भी लुप्त-सी हो गई हैं।

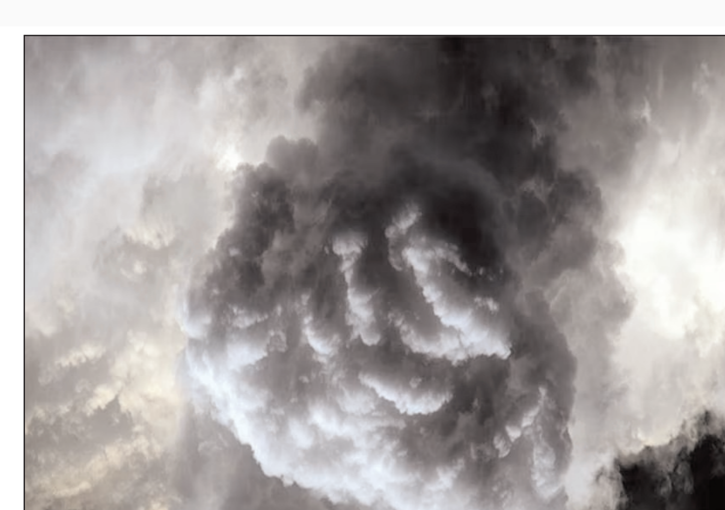

कभी कालिदास ने एक पूरा काव्य 'मेघदूत' प्रकृति को आलंबन बना कर समर्पित कर दिया था और उनकी पीड़ा को स्वर देते हुए मोहन राकेश ने 'आषाढ़ का एक दिन' जैसे कालजयी नाटक की रचना की। लेकिन क्या आज हमारे साहित्य और दैनिक जीवन में प्रकृति की यह मौजूदगी उतनी ही शिद्दत से महसूस की जा रही है? क्या हमारे आज के जीवन और प्रकृति का यह रिश्ता उतना ही मजबूत रह गया है? रीतिकालीन कविता को लेकर हम कितना भी नाक-भौं सिकोड़ लें, लेकिन सेनापति, देव और यहां तक कि मतिराम में भी प्रकृति के दर्शन सुलभ हो ही जाते हैं। छायावादी कवियों की रचनाओं में जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा और सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचनाओं में भी वर्षा ऋतु, सावन के मेघ आदि का वर्णन प्रचुरता में मिलता है। पंत की कविता- 'झम-झम झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के, छम-छम छम गिरती बूंदें तरुओं से छन के' न केवल ध्वनि बिंब खड़े करती है, बल्कि चाक्षुष बिंबों के माध्यम से मन में सावन का आनंद और ताजगी उत्पन्न कर देती है। निराला की 'बादल राग' कविता से कौन परिचित नहीं होगा! बादल के माध्यम से नए क्रांति के स्वर फूंकने और किसान की पीड़ा को उन्होंने अद्भुत अमर स्वर दिए हैं। दिनकर ने तो वर्षा को ऋतुओं की रानी कहा है। केदारनाथ अग्रवाल और नागार्जुन आदि कवियों के यहां भी प्रकृति लुप्त नहीं हुई है, भले ही उसकी व्यंजना और संदर्भ बदल गए हों। लेकिन आज हमारा रिश्ता प्रकृति से लगातार टूटता चला जा रहा है। खासकर उत्तर भारत में ज्यादा उदासीनता दिखती है। घर के आंगन में तुलसी और आंवले जैसे उपयोगी पौधों के लिए भी जगह हम नहीं छोड़ना चाहते। क्यारियों का स्थान अब गमलों के स्टैंड ने ले लिया है। अव्वल तो फ्लैट संस्कृति ने घरों में सामान के लिए ही जगह नहीं छोड़ी है, उस पर हमारी मानसिकता भी अर्थोन्मुख अधिक हो गई है। हम घर की क्यारी तोड़ कर दुकान या एक कमरा बनवाना पसंद करते हैं, लेकिन पेड़ लगाना नहीं। हमारी पाठ्य-पुस्तकों से प्रकृति प्रेम की कविताएं भी लुप्त-सी हो गई हैं। आज पाठ्यक्रम सरकारों के राजनीतिक एजेंडों की पूर्ति के साधन अधिक हो गए हैं। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के चहुंमुखी विकास से उनका कोई सरोकार नहीं। नतीजतन, विद्यार्थियों में पेड़-पौधों और जीव जंतुओं के प्रति संवेदनाओं और दायित्वों का अभाव हो गया है जबकि दक्षिण भारत में आज भी प्रकृति लोगों के जीवन का अंग है। यही कारण है कि कम तापमान और पर्याप्त वर्षा आदि पारिस्थितिकी संकटों से उन्हें कम गुजरना पड़ रहा है। पेड़-पौधों से भावनात्मक लगाव रखने वाले आदिवासियों को हमने अंधविश्वासी और पिछड़ा कह कर उनकी जमीन पर अपनी औद्योगिक लिप्साओं के महल खड़े कर दिए। जंगल सिकुड़ रहे हैं और हमारे मन के अंदर का जंगल फल-फूल रहा है। हिंसक प्रवृत्तियां पनप रही हैं और भाई भाई के खून का प्यासा हो रहा है। सावन हमारे अंदर के हरेपन के जीवित रखने का मौसम है जो न केवल हमें आनंदित करता है, बल्कि हममें एक नई किस्म का आलोड़न, प्रसन्नता और स्फूर्ति भरता है। मेघों की गर्जना के मिट्टी की उर्वरा शक्ति के विषय में जो भी वैज्ञानिक सत्य हैं, उनके अतिरिक्त सबसे बड़ा सत्य है प्रकृति के नव रूप और नव अभिनंदन का। सावन के साथ हमारी सामूहिकता की भावना और साहचर्य का सुख भी परस्पर जुड़ा हुआ है। साथ-साथ झूला झूलने और कजरी के गीतों को गाने का आनंद ही कुछ और है। लेकिन न आज वैसा कजरी गायन दिखता है, न आल्हा गाने वाले वैसे लोक गायक। झूला अतीत से भविष्य तक की यात्रा का द्योतक ही नहीं, हमारी गतिशीलता का भी परिचायक है। बरसात के दिनों में बनने वाले पकवान भी ऋतु का आनंद दुगुना कर देते हैं। पकौड़ी अलबत्ता जरूर अपनी जगह बनाए हुए है और राजस्थान के गोट में होने वाली दाल-बाटी-कत्त की दावतें भी अभी दौड़ में हैं। जठराग्नि मंद के इन दिनों में खाद्य-अखाद्य पर विचार करके भी बहुत से पकवान हमारी संस्कृति में विद्यमान हैं, चाहे वह कोंकणी का पंथोली हो या उत्तर भारत के भुने हुए भुट्टे और उसका कीसा। वर्षा की टिप-टिप की ध्वनि का आनंद ही कुछ और है।

मीनाक्षी चौधरी ने दो बड़ी फिल्मों से श्रीलीला को किया रिप्लेस

दक्षिण भारतीय सिनेमा में इन दिनों मीनाक्षी चौधरी का जलवा साफ दिख रहा है। 'लकी भास्कर' में दुलकर सलमान के साथ और 'द ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स' में विजय के साथ अपने प्रभावशाली अभिनय से पहचान बना चुकी मीनाक्षी साउथ सिनेमा के निर्देशकों की पहली पसंद अरसे से रही हैं। एक समय था जब दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में श्रीलीला का जादू सिर चढ़कर बोल रहा था, खासकर 'किस्सिक' जैसे हिट गीतों के चलते। लेकिन अब उसी स्पॉटलाइट में मीनाक्षी चौधरी की दमदार मौजूदगी नजर आ रही है। मीनाक्षी ने हाल ही में श्रीलीला को दो बड़ी फिल्मों से रिप्लेस किया है, और यह कोई संयोग नहीं बल्कि उनके बढ़ते प्रभाव का परिचायक है।

पहली फिल्म है निर्देशक कार्तिक डंडू की अगली फिल्म जिसमें मीनाक्षी को नागा चैतन्य के साथ मुख्य भूमिका में लिया गया है। बताया जा रहा है कि 'ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' में उनके शानदार अभिनय को देखकर ही निर्माता-निर्देशक उन्हें पहली पसंद मान रहे थे। आखिरकार, वही हुआ। मीनाक्षी को इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर फाइनल कर लिया गया। दूसरी फिल्म है 'अनगनागा ओका राजू', जिसमें पहले श्रीलीला को नवीन पोलीशेट्टी के साथ कास्ट किया गया था। टीज़र रिलीज होने के बाद भी फिल्म कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में चली गई थी, वजह बनीं श्रीलीला की डेट्स की परेशानी। इस मौके का लाभ उठाते हुए, मीनाक्षी ने न केवल फिल्म में जगह बनाई, बल्कि नए टीजर में उनकी और नवीन की ताजगी से भरी कैमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। सूत्रों की मानें तो तेलुगु और तमिल फिल्म जगत के साथ साथ हिंदी सिनेमा की भी 2026 में रिलीज होने वाली कई बड़ी परियोजनाओं के लिए मीनाक्षी पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। श्रीलीला भले इन दिनों टी सीरीज की अनाम फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ काम कर रही हों, लेकिन प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों की मानें तो उनकी शोहरत और उनकी काबिलियत में संतुलन बनता दिख नहीं रहा। श्रीलीला का नाम पहले फिल्म'स्पिरिट' के लिए भी चला था लेकिन तृप्ति डिमरी ने वहां बाजी मार ली।

स्क्रीन पर धमाल मचाएंगे निमृत कौर अहलूवालिया और टाइगर श्रॉफ

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया हाल ही में फिल्म शौंकी सरदार में नजर आई थीं। इस फिल्म में दर्शकों ने उनके काम को काफी सराहा। अब वह बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ के साथ एक नए प्रोजेक्ट में काम करने जा रही हैं। एक करीबी सूत्र के मुताबिक, शौंकी सरदार की सफलता के बाद निमृत को बहुत सारे नए प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। लेकिन उन्होंने अलग स्क्रिप्ट की वजह से इस प्रोजेक्ट को चुना। उन्हें लगा कि टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी जोड़ी पर्दे पर दर्शकों के लिए एक नई तरह की केमिस्ट्री लाएगी। सूत्र ने बताया कि एक्ट्रेस निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, निमृत इस समय अपने करियर को लेकर बहुत खुश और आभारी हैं। टाइगर और निमृत की जोड़ी बिल्कुल नई है, और यही इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत है। इस प्रोजेक्ट में दमदार एंटरटेनमेंट और नई ताजगी दोनों का मेल है, जो दर्शकों को जरूर पसंद आएगा। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी अभी सीक्रेट रखी गई है, लेकिन उम्मीद है कि मेकर्स जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। उन्होंने एसीपी सत्या का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, अक्षय कुमार जैसे सितारे नजर आए थे। फिलहाल, वह अपनी आने वाली फिल्म बागी 4 की तैयारी में जुटे हैं, जिसे डायरेक्टर ए. हर्षा बना रहे हैं। इस फिल्म में उनके अलावा, संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू अहम किरदार में नजर आएंगे। बागी 4, 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वहीं बात करें निमृत की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म शौंकी सरदार की, तो इसमें निमृत के अलावा, गुरु रंधावा, बब्बू मान, सुनीता धीर, हशनीन चौहान और धीरज कुमार भी अहम किरदार में नजर आए। इस फिल्म का निर्देशन धीरेज केदारनाथ रत्तन ने किया। वहीं इसे ईशान कपूर, शाह जंडियाली, धर्मिंदर बटौली और हरजोत सिंह ने मिलकर प्रोड्यूस किया। फिल्म को जी स्टूडियोज और बॉस म्यूजिक रिकॉर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया। शौंकी सरदार 16 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

मणि रत्नम के साथ आमिर खान कर सकते हैं काम, पहले इस फिल्म पर नहीं बन पाई थी बात

साल 2007 में आमिर खान मशहूर निर्देशक मणि रत्नम के साथ इस्मत चुगताई की कहानी घरवाली पर फिल्म बना रहे थे। फिल्म का टाइटल था लाजो। हालांकि किसी वजह से ये फिल्म नहीं बन पाई। अफवाहें फैलीं कि आमिर और मणि के बीच रचनात्मक मतभेद की वजह से यह फिल्म नहीं बन पाई। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आमिर खान ने बताया है कि लाजो किसी और वजह से नहीं बन पाई। इससे मेरा या मणि रत्नम का का कोई लेना देना नहीं है।

आमिर और मणि रत्नम ने लाजो

बातचीत में आमिर ने लाजो को याद करते हुए कहा मैं हमेशा से मणि का बहुत बड़ा फैन रहा हूं और लंबे समय से उनके साथ काम करना चाहता था। मैं उनसे कई बार मिला हूं, उनके घर गया हूं और हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई है। हम एक-दूसरे के साथ काम करना चाहते थे और लाजो पर लगभग काम कर भी लिया लेकिन किसी तीसरी वजह से यह काम नहीं हो पाया। इससे मेरा या उनका कोई लेना देना नहीं है। मैं उनके काम का बहुत बड़ा फैन हूं। मुझे उम्मीद है कि एक दिन हम साथ काम करेंगे।

आमिर कर रहे सितारे जमीन पर का प्रचार

आपको बता दें आमिर इन दिनों फिल्म सितारे जमीन पर का प्रचार कर रहे हैं। यह फिल्म तारे जमीन पर (2007) की अगली कड़ी है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर आमिर खान तीन साल के बाद बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। उनकी आखिरी फिल्म 2022 में लाल सिंह चड्ढा रिलीज हुई थी।

फिल्म के बारे में

फिल्म सितारे जमीन पर में आमिर खान के अलावा जेनेलिया देशमुख, अरूश दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर भी हैं। आर एस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, यह फिल्म आमिर खान और अपर्णा पुरोहित द्वारा निर्मित है, और रवि भागचंदका निर्माता हैं। सितारे जमीन पर में एक बॉस्केटबॉल कोच की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में आमिर खान दिव्यांग बच्चों को बॉस्केटबॉल सिखाते हैं। फिल्म 20 जून को रिलीज होगी।

'ठग लाइफ' में अपने रोल के लिए ट्रोल हुईं तृषा

कमल हासन की मच अवेटेड फिल्म 'ठग लाइफ' विवादों के बीच आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कमल हासन के कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए बयान के बाद फिल्म विवादों में भी घिर गई। जिसके बाद फिल्म की चर्चा और भी हो गई। फिल्म को लेकर बने बज को देखते हुए उम्मीद थी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी धमाल मचाएगी। हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर जो रिव्यू सामने आ रहे हैं, बहुत अच्छे नहीं हैं। वहीं फिल्म की रिलीज के बाद लीड एक्ट्रेस तृषा कृष्णन नेटिजन्स के निशाने पर आ गई हैं।

यूजर्स ने दी तृषा को रिटायर होने की सलाह

'ठग लाइफ' में तृषा कृष्णन ने 'इंद्राणी' की भूमिका निभाई है। तृषा की गिनती साउथ की बड़ी अभिनेत्रियों में होती है। ऐसे में तृषा से फैंस को अच्छे काम की उम्मीद थी। हालांकि, अब फिल्म के रिलीज होने के बाद यूजर्स तृषा को ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने तृषा को ओवर रेटेड बताते हुए उन्हें रिटायर हो जाने की सलाह दे डाली। तो वहीं एक यूजर ने तृषा से एक्टिंग न करने की अपील करते हुए लिखा कि उन्होंने इस साल कई बड़ी फिल्मों को बर्बाद कर दिया।

कुछ नेटिजंस ने तृषा को ओवर रेटेड और बर्बाद बताते हुए कहा कि उनका डाउनफाल शुरू हो गया है। यूजर ने तृषा की पिछली फिल्मों का जिक्र किया जिनमें तृषा की एक्टिंग लोगों को पसंद नहीं आई। एक यूजर ने 'ठग लाइफ' का रिव्यू करते हुए जहां कमल हासन की तारीफ की और फिल्म के संगीत और क्लाइमेक्स को सराहा। वहीं तृषा की एक्टिंग की बुराई करते हुए उनके कैरेक्टर को जबरदस्ती का बताया। वहीं एक यूजर ने तृषा से ऐसे बेकार किरदार न करने का आग्रह भी किया।

फिल्म को मिल रही मिली-जुली प्रतिक्रिया

कमल हासन के कन्नड़ भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच 'ठग लाइफ' आज कर्नाटक को छोड़कर बाकी जगह रिलीज हुई है। इस फिल्म के जरिए कमल हासन और मणिरत्नम कई सालों बाद एक साथ वापस आए हैं। हालांकि, फिल्म से जैसी उम्मीदें थीं अभी तक वैसे रिव्यू सामना नहीं आ रहे हैं। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

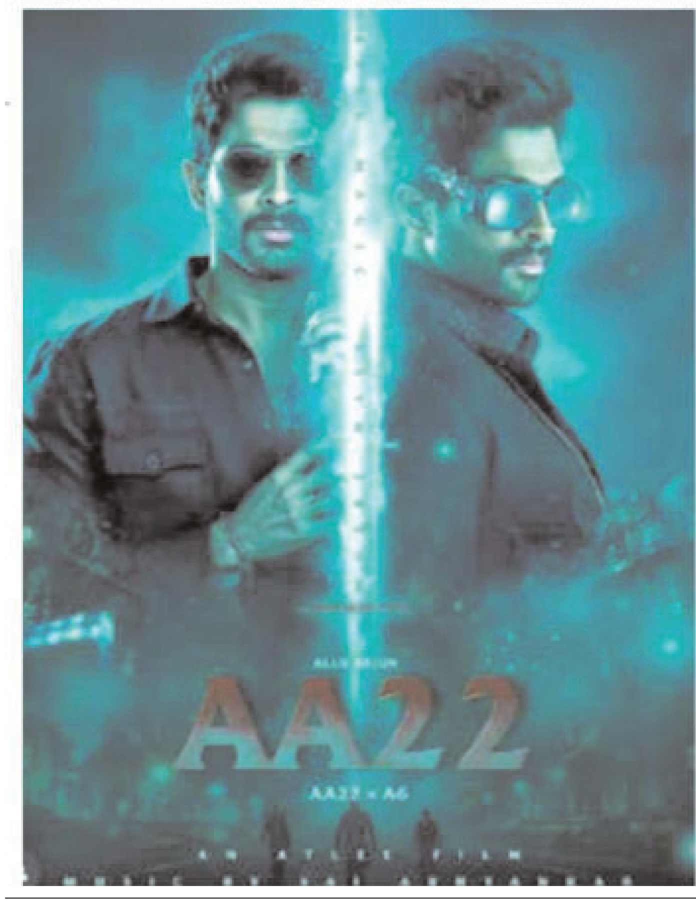

धमाकेदार टीजर के साथ अल्लू अर्जुन-एटली की फिल्म का एलान, एक्शन का दम दिखाएंगी दीपिका

अल्लू अर्जन और एटली की फिल्म का आखिर आधिकारिक एलान हो गया है। मेकर्स ने आज शनिवार को धमाकेदार टीजर जारी किया है। इसी के साथ खास अपडेट यह है कि फिल्म में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। वे एक्शन का दम दिखाएंगी। टीजर में उन्हें तलवारबाजी और घुड़सवारी करते देखा जा सकता है।

मेकर्स ने एटली और अल्लू अर्जुन फिल्म AA22&A6 का पोस्टर जारी किया था। आज शनिवार को टीजर जारी किया है। फिल्म को सन पिक्चर्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। सन पिक्चर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से टीजर वीडियो शेयर किया गया है। इसमें दीपिका पादुकोण भी नजर आ रही हैं। मेकर्स ने फिल्म में उनका स्वागत किया है। टीजर के साथ कैप्शन लिखा है, विजय पथ पर अग्रसर रानी। स्वागत है दीपिका पादुकोण।

अल्लू अर्जुन की नहीं दिखी झलक

मेकर्स की तरफ से जारी टीजर में अल्लू अर्जुन की झलक नहीं नजर आ रही है। सिर्फ दीपिका और एटली को ही देखा जा सकता है। दोनों बातचीत कर रहे हैं और एटली अभिनेत्री को तलवारबाजी के बारे में समझा रहे हैं।

टीजर में दीपिका जिस अंदाज में नजर आई हैं, उससे साफ है कि फिल्म में वे मजबूत भूमिका निभाने वाली हैं। उनके एक्शन का दम भी दर्शकों को देखने को मिलेगा। अल्लू अर्जुन की एटली के साथ यह पहली फिल्म है। मगर, दीपिका ने फिल्म जवान में निर्देशक के साथ काम किया है। ऐसे वक्त में जब स्पिरिट फिल्म से दीपिका बाहर हो चुकी हैं, तब इस बड़ी फिल्म में उनकी एंट्री की खबर फैंस के लिए भी खुशखबरी से कम नहीं।

टीजर पर यूजर्स की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। दीपिका पादुकोण की एंट्री पर उत्साह है। यूजर्स लिख रहे हैं, क्वीन इज बैक। एक यूजर ने लिखा, जबर्दस्त फिल्म आ रही है। अल्लू अर्जुन और एटली की आने वाली यह फिल्म एक साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म बताई जा रही है, जो एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म होगी।

मारोठ में 950 ग्राम गांजा सहित मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, एम डी जैसे मादक पदार्थ की गिरफ्त में युवा

जयपुर टाइम्स

मारोठ पुलिस थाना मारोठ की टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक कामयाबी हासिल की है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में नाकाबंदी और गश्त के दौरान मारोठ पुलिस ने 950 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई को डीडवाना कुचामन पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा सहित विभाग के अधिकारियों निकटतम सुपरविजन में अंजाम दिया गया । कार्यवाही का नेतृत्व थानाधिकारी मारोठ बद्री प्रसाद पुलिस निरीक्षक एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। बुधवार को पुलिस निरीक्षक बद्री प्रसाद अपनी टीम के साथ गश्त व नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्रवाई करते हुए उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका और तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 950 ग्राम अवैध गांजा बरामद

किया गया। मारोठ निवासी लियाकत शाह पुत्र स्व. कालू शाह उम्र 55 वर्ष, जाती फकीर (मुसलमान) को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पुलिस द्वारा प्रकरण संख्या 81/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकरण की जांच नंदलाल, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी नांवा द्वारा की जा रही है। आसानी से मिल रहा है नशा प्रशासन का नहीं भय, क्षेत्र में खुलेआम 24 घंटे नशे का कारोबार धड़ेले से चल रहा है। जानकारी के अनुसार मारोठ सहित आसपास के क्षेत्र में गांजा, डोडा पोस्त और एम डी जैसे जानलेवा नशे का कारोबार दिन दुगना रात चौगुना चल रहा है लेकिन प्रशासन द्वारा कार्रवाई अमल में नहीं लाने से नशीली वस्तुओं का कारोबार करने वालो में कोई भय नजर नहीं आ रहा है। मारोठ के मुख्य बाजार , बस स्टैंड, बड गट्टा, अंबेडकर चौक ,शिवधुमटी चौक, नला बाजार सहित मुख्य मार्गो व प्रत्येक चौराहे पर गांजा व एम डी जैसे नशीले पदार्थ खुलेआम बिक रहा है। नशीले पदार्थ का कारोबार करने वाले पैदल घूम कर, मोटरसाइकिल पर, घरों , होटलों दुकानों में से नशे का कारोबार कर रहे हैं। पुरुषों के साथ बच्चे व महिलाएं भी नशे के व्यापार में सौदागर बन गांजे की पुड़िया बेचते हुए दिखाई देते हैं महिलाएं घरों के अंदर से गांजे का व्यापार करती है नशा करने वाले लोग घर के अंदर जाते हैं और कुछ रुपये देकर गांजे की पुड़िया लेकर आ जाते हैं साथ ही पुरुष व छोटे बच्चे जेब में गांजे की पुड़िया डालकर टहलते हुए रहते हैं और ग्राहक आते ही पुड़िया हाथ में थमा देते हैं और ग्राहक जाते ही स्टॉक में से पुड़िया अपनी जेब में डाल लेते हैं । नशे का कारोबार करने वाले व्यापारी अपने माल को अलग-अलग स्थानों पर रखा करते हैं। कस्बे सहित क्षेत्र का युवा एम डी,गांजा ,डोडा पोस्त के नशे की लत में डूबता जा रहा है जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बादी की ओर अग्रसर हो रहा है। नशे की इस गंभीर लत के कारण युवा पीढ़ी अपराध के दलदल में भी धंसती चली जा रही है। इस नशे की लत ने कई परिवार बर्बाद कर दिए हैं। नशे का कारोबार करने वाले जयपुर ,सीकर ,लोसल, फुलेरा से माल मंगवा कर बेधड़क बेच रहे है।

नशे पर हो कारवाई

नशे की लत से युवाओं का जीवन बर्बादी की ओर अग्रसर हो रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है एम डी जैसे घातक नशे पर भी पूर्णतया कड़ी पाबंदी लगाकर कार्रवाई की जाए जिससे युवा पीढ़ी इस नशे की दलदल से बाहर निकल सके।

एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने 22 गांवों के लिए दिए ई-टिपर

जिला कलेक्टर ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा सीएसआर 2025-26 के तहत जिले के 22 गावों में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत कचरा एकत्रीकरण के लिए 22 ई-टिपर प्रदान किए। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने गुरुवार को ई-टिपर को हरी झंडी दिखाकर जिला परिषद से रवाना किया। इस दौरान इन ई-टिपर की चाबी सरपंचों एवं ग्राम सेवकों को सौंपी गई। एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा लगभग 1 करोड़ 25 लाख राशि की लागत से यह ई-टिपर उपलब्ध करवाए गए हैं। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि गांव का वातावरण स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाए रखने में यह ई-टिपर उपयोगी साबित होंगे। इन वाहनों का बेहतर संचालन किया जाए। उन्होंने एनएलसी इंडिया लिमिटेड का स्वच्छ भारत मिशन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने बताया कि ई-टिपर डाण्डूसर, बम्बलू, गुसांईसर, लाखूसर, कतरियासर, रिडमलसर पुरोहितान, नौरंगदेसर, गाढ़वाला, किलचू देवड़ान, हेमेरा, कल्याणसर अगुणा, कानासर, जामसर, कावनी, नालबड़ी, उदासर, रूणिया बड़ाबास, केसरदेसर जाटान, कालासर, मालासर, रामसर एवं बेलासर शेयर कुल 22 गांवों में स्वच्छता कार्य में सहयोग करेंगे। एनएलसी परियोजना प्रमुख एस. विजय कुमार ने बताया कि एनएलसी द्वारा पूर्व में मार्च 2024 में सीएसआर के तहत 20 ई-टिपर भेंट किए गए थे। आगे भी सामाजिक सरोकारों के विभिन्न कार्यों में सहयोग किया जाएगा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, प्रशिक्षु आईएएस स्वाति शर्मा, बीकानेर पंचायत समिति प्रधान राजकुमार कस्वा आदि मौजूद रहे।

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त रहे नोखा के दौरे पर

ग्रामीणों को दी वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की जानकारी, नर्सरी का किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

बीकानेर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त श्री जसवंत सिंह ने गुरुवार को नोखा में वन विभाग की नर्सरी का निरीक्षण किया। उन्होंने नोखा पंचायत समिति में आयोजित उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में शिरकत की और नगर पालिका सभागार में आयोजित किसान गोष्ठी में ग्रामीणों को वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान के बारे में बताया। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने नर्सरी के निरीक्षण के दौरान आगामी दिनों में होने वाले पौधारोपण की तैयारियों की बारे में जाना। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान, राज्य सरकार का महत्वपूर्ण अभियान है। इसका क्रियान्वयन पूर्ण गंभीरता से किया जाए। पौधारोपण से जुड़ी सभी तैयारियां समय रहते कर लें तथा इसके लिए संबंधित विभागों से आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करें। पंचायत समिति कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित त्रिस्तरीय जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाले प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण हो। इसमें किसी स्तर पर कोताही नहीं हो। नगर पालिका सभागार में आयोजित किसान संगोष्ठी के दौरान अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 5 से 20 जून तक 'वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान' आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जल संरक्षण और जल संग्रहण स्त्रोतों के रखरखाव के प्रति आमजन को जागरुक करना है। उन्होंने अब तक हुई गतिविधियों के बारे बताया और उद्यानिकी गतिविधियों से जुड़ी जानकारी दी। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने नगर पालिका द्वारा प्रतिमाओं और नगरीय क्षेत्र में विभिन्न सफाई कार्यों का निरीक्षण भी किया। आमजन को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया।

हरित योग कार्यक्रम आयोजित, योगाभ्यास से दिया आरोग्यता का संदेश

जयपुर टाइम्स

बीकानेर अंतराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला में 10 सिग्नेचर इवेंट के तहत हरित योग कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को हुआ। सुबह 6.30 बजे से धरणीधर मंदिर में आयोजित हुए कार्यक्रम में सैकड़ों योग साधकों ने हिस्सा लिया। आयोजन प्रभारी योग प्रशिक्षक भुवनेश पुरोहित ने बताया कि केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय तथा संस्कृति विकास फाउंडेशन एवं प्रवीर योगासना स्पोर्ट्स अकादमी एवं ध्यान केन्द्र एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय योग विभाग के विद्यार्थी, क्रीड़ा भारती, प्रवीर योगासन अकादमी, एकलव्य तीरंदाजी संस्थान, उदय क्लब बच्ची क्लब, एल एम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, धरणीधर क्लब, लाली बाई पार्क समिति के सैकड़ों योग साधकों ने भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी लोगों को योग के अलग-अलग आसनों का अभ्यास करवाया गया। इसके तहत कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास डॉ संतोष सेशमा ने सूक्ष्म क्रियाएं, यशोवर्धिनी पुरोहित ने खड़े होकर करने वाले आसन, सपना बेरवाल ने उदर के बल लेटकर, प्रियंका रघुवंशी ने कमर के बल लेटकर, शुभम स्वामी ने प्राणायाम का अभ्यास करवाया। इस दौरान मुख्य अतिथि आयुर्वेद विभाग अतिरिक्त निदेशक डॉ. घनश्याम रामावत, विशिष्ट अतिथि अनिल बोड़ा, दुर्गाशंकर व्यास, जेपी व्यास, रामेंद्र हर्ष, गजेंद्र सिंह, डॉ. जितेंद्र भाटी, डॉ. इरशाद रफीक ने पौधारोपण किया। इस दौरान अतिथियों की ओर से हरित योग का महत्व तथा योग जीवन में किस तरह आवश्यक है, को लेकर विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही रोजाना समय निकालकर योग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। आयोजन के सह प्रभारी हितेंद्र मारू ने सभी आगंतुकों को तुलसी का पौधा देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. अमित पुरोहित ने किया।

वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान, जल संरक्षण की ली शपथ, प्लास्टिक जब्ती का चला अभियान, हर्षोलाब सहित विभिन्न स्थानों पर की सफाई

बीकानेर 'वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान' के तहत गुरुवार को नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता, हरियाली एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गईं। नगर निगम आयुक्त श्री मयंक मनीष ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत नगर निगम के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों द्वारा जल संरक्षण की शपथ से हुई। इस दौरान स्वच्छता और प्लास्टिक उन्मूलन के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प दोहराया गया। नगर आयुक्त के निर्देशानुसार वल्लभ गार्डन, सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट के पास तथा हर्षोलाब तालाब के आसपास के क्षेत्रों में कुल 250 से अधिक गड्ढों की खुदाई पौधारोपण के लिए की गई। आयुक्त ने 'हरियाळो राजस्थान' मिशन को गति देते हुए और अधिक पौधारोपण की योजना को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी श्रृंखला में शहर के प्रमुख जल निकायों, विशेष रूप से हर्षोलाब तालाब सहित अन्य जलस्रोतों की सफाई की गई। इसी क्रम में शहर की सभी प्रमुख मूर्तियों की विशेष सफाई कराई गई। नगर आयुक्त ने इन गतिविधियों की निरंतरता बनाए रखने और हर सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ और आकर्षक बनाए रखने के निर्देश दिए। प्लास्टिक मुक्त बीकानेर की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए नगर निगम द्वारा गुरुवार को फड़ बाजार क्षेत्र में चालान कार्यवाही की गई। इस दौरान 138.800 किलोग्राम पॉलीथिन/प्लास्टिक जब्त की गई एवं छह हजार रुपए शास्ति वसूल की गई।

किसानों को दी गई जल संरक्षण के लिए किया गया प्रेरित

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जोबनेर के बस्सी झाझड़ा में हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर आगामी वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान अन्तर्गत राज्य सरकार की महत्त्वाकांक्षी हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गुरुवार को विभिन्न विभागों द्वारा पर्यावरण एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु बहुआयामी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कृषि विभाग द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम ग्राम पंचायत बस्सी झाझड़ा, पंचायत समिति जोबनेर तथा ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम ग्राम जोरपुरा, जोबनेर में आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान बस्सी झाझड़ा में कुल 20 कार्य (फार्म पॉण्ड, पाइपलाइन एवं गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना) एवं जोरपुरा में 9 कार्य स्वीकृत किए गए। डीबीटी के माध्यम से अनुदान राशि का हस्तांतरण हुआ, प्राकृतिक/जैविक/प्रीसिजन खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों पर कार्यशालाएँ व प्रदर्शनी आयोजित हुईं, पूर्व स्वीकृत कार्यों का अवलोकन एवं नवीन प्रस्तावों की स्वीकृति दी गई, पौधारोपण हेतु अग्रिम तैयारियाँ सुनिश्चित की गईं, कम्पोस्टिंग तकनीक का प्रचार-प्रसार किया गया, लघु सिंचाई संयंत्रों की प्रदर्शनी, किसान चौपाल, कृषि विज्ञान केंद्रों पर संगोष्ठियाँ एवं कृषि शिक्षा कार्यशालाएँ आयोजित की गईं तथा विभागीय डिग्गियों की सफाई एवं पुनरुद्धार भी किया गया। इसी क्रम में नगर निगम हेरिटेज, नगर परिषद, नगर पालिका, जयपुर विकास प्राधिकरण व राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जल स्रोतों की सफाई, गरिमामयी दीप प्रज्वलन, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के माध्यम से साफ-सफाई एवं रख-रखाव कार्यक्रम, शहरी रोजगार योजना अंतर्गत पौधारोपण की तैयारी, महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई, चिन्हित स्थलों पर प्लास्टिक कचरे का निस्तारण एवं नो बैग डे का आयोजन प्रमुख रूप से किया गया। जिसमें जयपुर जिले की समस्त बावड़ी जल स्रोतों, सार्वजनिक पार्कों विशेषतः द्रव्यवती नदी की साफ-सफाई, अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नये कार्यादेश जारी किए गए एवं पूर्ण कार्यों का अवलोकन किया गया। साथ ही सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहयोग से शासकीय भवनों में स्थित वर्षा जल संरक्षण संरचनाओं की सफाई एवं रख-रखाव कार्य भी सम्पन्न हुए। यह समस्त गतिविधियाँ पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास के लक्ष्यों की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल हैं, जिनमें विभागीय समन्वय एवं जनभागीदारी की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी जोबनेर डी. एस. चौहान, बीडीओ ताराचंद, संयुक्त निदेशक कृषि जयपुर के.सी. मीणा, उप निदेशक बागवानी हरलाल बिजारणिया, सहायक निदेशक कृषि डॉ. सुरेश कुमार यादव, कृषि अधिकारी दिनेश कुमावत, सरपंच बस्सी झाझड़ा दिनेश निठरवाल एवं प्रगतिशील किसान खेमाराम मेहरिया सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड एवं बीकाजी भुजिया फैक्ट्री में जागरूकता शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

बीकानेर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल कुमार सक्सैना के निर्देशन में बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड एवं बीकाजी भुजिया फैक्ट्री में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मांडवी राजवी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संघ ने पहली बार बाल श्रम रोकने का मुद्दा उठाया था, जिसके बाद साल 2002 में सर्वसम्मति से एक ऐसा कानून पारित हुआ जिसके तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से मजदूरी करवाना अपराध माना गया। उन्होंने बताया कि बाल श्रम को समाप्त व बच्चों को शिक्षा और विकास के अवसर प्रदान करने सहित आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से यह दिन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम एक गंभीर समस्या है। इससे बच्चों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से नुकसान होता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना, बच्चों के अधिकारों की रक्षा सहित बाल श्रम को समाप्त करने के लिए कार्रवाई करना है। सचिव ने बताया कि कुछ क्षेत्रों में बच्चे ऐसे काम कर रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए खतरनाक व हानिकारक हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर बाल श्रम के खिलाफ आवाज उठा कर, बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाना चाहिए। इस दौरान श्रमिकों को नालसा (वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी सेवाएं) योजना, 2016 सीनियर सिटीजन एक्ट, निःशुल्क विधिक सहायता, राजस्थान पीडित प्रतिकर स्कीम के बारे में बताया गया। नालसा द्वारा पॉश अधिनियम पर जारी पुस्तक आवाज उठाओ, पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक न्याय व नारी सशक्तिकरण विषयों पर जारी पुस्तक पर चर्चा की गई।

शिविर में श्रम विभाग के श्रम निरीक्षक रवि मीना, फैक्ट्री के सीपीओ दीपशिखा ठाकुर, वीपी एचआर प्रवेश तिवाड़ी, एचआर मैनेजर संदीप सोलंकी उपस्थित रहे।

चकगर्बी में हटाए अवैध कब्जे

गुरुवार को अपर्णा गुप्ता, आयुक्त बीकानेर विकास प्राधिकरण एवं कुलराज मीणा सचिव, बीडीए के प्रदत निर्देशानुसार ग्राम चकगर्बी की अराजीराज (सरकारी) भूमि पर एवं ग्राम चकगर्बी में बीकानेर विकास प्राधिकरण के स्वामित्व/अराजीराज भूमि पर विकसित/बसी हुई अवैध कॉलोनियों को हटाये जाने की कार्यवाही बीडीए के तहसीलदार मोतीलाल चोरोटिया, भागीरथ राम यादव, आकांक्षा गोदारा, कनिष्ठ अभियंता भव्यदीप, सरफराज, भू.अ. निरीक्षक ी राजकुमार चौधरी, प्रभुदयाल व होमगार्डस के नेतृत्त्व में गठित दो दल व राजस्व तहसीलदार राजकुमारी, हल्का पटवारी चकगर्बी विशालदीप, भू.अ. निरीक्षक के द्वारा संयुक्त कार्यवाही कर ग्राम चकगर्बी चक 6 बीकेएम के मु.न. 94/22, 94/23, 94/24, 94/30, 94/31, 94/32 94/38, 94/39, 94/40, 95/17, 95/18, 95/19, 95/25, 95/26, 95/33, 95/34 में लगभग 340 बीघा भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा कर रखी तार-बंदी, जाली, चारदीवारी, कच्चा पक्का निर्माण, कमरे, सडकें इत्यादि किये गये अवैध कब्जों को हटाकर अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। मौके पर जो अवैध बिजली के कनेक्शन लिये गये उसको हटवाने के लिये तहसीलदार बीकानेर को निर्देशित किया गया। मौके पर खाली करवाये गये उक्त सभी खसरों में बीडीए की भूमि पर बीकानेर विकास प्राधिकरण के स्वामित्व के बोर्ड / सूचना पट्ट लगाये गये व मौके पर स्थानीय निवासियों को उक्त अवैध कॉलोनियों में प्लाट नहीं खरीदने के लिये समझाईश की गई एवं गलत जानकारी के आधार पर जिन भूमाफियाओं के द्वारा प्लॉटों का बेचान किया गया है उनके विरूद्ध एफआईआर करवाने की सलाह दी।

कुचामन सिटी में कॉलेज संचालक सहित तीन गिरफ्तार 23 लाख 64 हजार रुपये की राशि हड़पने का मामला

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिरटी जयपुर ग्रामीण पुलिस ने एक बड़े छात्रृत्ति घोटाले का खुलासा किया है, जिसमें फर्जी कॉलेज बनाकर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रवृत्ति पोर्टलसे 23 लाख 64 हजार रुपये की राशि हड़पने का मामला सामने आया हैइस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी विजय कुमार बोचल्या सहित दो आन्य आरोपियों, श्रवण राम जाट और बलराम गुर्जर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने मिलकर फर्जी दस्तावेजोंके आधार पर अलवर जिले में रावत कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज नामक एक काल्पनिक शिक्षण संस्थान बनाया। इस फर्जी कॉलेज को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रवृ् पोर्टल पर पंजीकृतकरवाया गया। इसके बाद, फर्जी दस्तावेज और बायोमेट्रिक पहचान की क्लोनिंग के जरिए छात्रवृति पोर्टल में सेंधमारी की गई और 23 लाख 64 हजार रुपये की राशि हड़प ली गई।आरोपियों ने कई SSO जैसे

Scholarship.sys.RJ.RAVTINSTITUTE, VIJAYO KUMAR. BOCHLYA, DR.SONIYANITYANAND, AKSHAYMULODIAy, और BAJRANGOv9 काउपयोग कर यह धोखाधड़ी की।ई-मित्र संचालक विजय कुमार बोचल्या ने फर्जी दस्तावेज तैयार किए, जबकि श्रवण राम जाट ने छात्रृत्ति पोर्टल परस्वीकृति दिलाने में भूमिका निभाई। बलराम गुर्जर, जो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में प्रोजेक्ट मैनेजर /डेवलपर के रूप में अनुबंध पर कार्यरत था, ने इस घोटाले में विभाग से रुपये लेने में सहायता की।

जिला कलक्टर ने पूगल में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में निभाई भागीदारी, विभिन्न सरकारी कार्यालयों का किया वार्षिक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

बीकानेर जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने गुरुवार को पूगल ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में भागीदारी निभाई। इस दौरान ग्रामीणों ने पानी, बिजली, सीमाज्ञान सहित विभिन्न प्रकरण रखे। जिला कलक्टर ने इनके समयबद्ध निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने प्रतिमाह ग्राम पंचायत, उपखण्ड और जिला स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाईयों के बारे मे बताया और कहा कि उच्च स्तर पर इनकी नियमित समीक्षा की जाती है। इसके मद्देनजर प्रत्येक स्तर पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिला कलक्टर ने उपखण्ड अधिकारी कार्यालय, पुलिस थाना और पंचायत समिति कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण किया। कार्यालयों में पत्रावलियों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यालयों में साफ-सफाई रखने, पत्रावलियों को सुव्यवस्थित रखने तथा स्थानीय स्तर के कार्यों को समयबद्ध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्मिक, दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले ग्रामीणों के प्रति अतिरिक्त संवेदनशीलता रखे। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें। उन्होंने वंदे गंगा, जल सरंक्षण जन अभियान की जानकारी दी और कहा कि अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी के प्रयास हो। ग्रामीणों को जल के महत्व एवं इसके सुदपयोग के बारे में बताएं। उन्होंने पूगल में बने नए पंचायत समिति भवन का अवलोकन भी किया। करणीसर भाटियान में टाटा पावर द्वारा स्थापित 300 केवी के सोलर प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बीकानेर में सोलर के क्षेत्र की अपार संभावनाओं के मद्देनजर विभिन्न निवेशकों द्वारा कार्य किया जा रहा है। इस दौरान पुलिस अधीक्षककावेन्द्र सागर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल तथा उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार सहित विभिन्न स्थानीय अधिकारी साथ रहे।

संभागीय आयुक्त ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

आरएमआरएस की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

बीकानेर संभागीय आयुक्त डॉ.रवि कुमार सुरपुर ने गुरुवार को एसडीएम राजकीय अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल की आरएमआरएस बैठक ली और सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी एवं अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने अस्पताल के आउटडोर, आपातकालीन और इनडोर वार्ड के साथ हीटवेव वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया तथा साफ-सफाई, बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण और हीटवेव के मद्देनजर और बेहतर प्रबंधन के निर्देश दिए। अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष ने जिला अस्पताल द्वारा दी जा रही विभिन्न चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी। अस्पताल में किए जा रहे नवाचारों के बारे में बताया। संभागीय आयुक्त ने कार्यों की प्रगति समीक्षा की। अस्पताल में एएनसी की तुलना में कम प्रसवों की संख्या पर चिंता जताई। प्रसव संख्या बढ़ाने तथा पीबीएम अस्पताल के प्रसवभार कम करने के लिए प्राचार्य को आवश्यक चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. देवेंद्र चौधरी, डॉ. प्रवीण चतुर्वेदी, डॉ. घनश्याम, डॉ. प्रवीण, लेखाकार दुष्यंत छींपा, पीडब्ल्यूडी से शैलेष पाठक, विनोद तंवर, आरएसआरडीसी से शिल्पा कछवाहा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आरएमआरएस बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

बैठक के दौरान पूर्व में आयोजित बैठक की पालना रिपोर्ट के साथ अस्पताल के सालाना आय-व्यय व प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें आरएमआरएस कार्मिकों का मानदेय श्रम विभाग की अधिसूचना के अनुसार देने, दानदाताओं के माध्यम से जिला अस्पताल में 60 लाख के विभिन्न सिविल व अन्य कार्यों के अनुमोदन, अस्पताल में भर्ती मरीजों को भोजन देने के लिए निविदा करने, वीडियो कांफ्रेंस रुम तैयार करवाने, अस्पताल मे आइएचएमएस पोर्टल द्वारा मेडिकल रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और भीड़भाड़ को नियंत्रित करने हेतु क्यू मेनैजमेंट सिस्टम के लिए आवश्यक कार्यवाही का अनुमोदन किया गया। इसके अतिरिक्त जिला अस्पताल में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों और बजट घोषणा से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई।

अस्पताल में डायलिसिस यूनिट चालू करने के लिए दिए निर्देश

संभागीय आयुक्त ने जिला अस्पताल में डायलिसिस यूनिट पुनः चालू करने के लिए, इसके प्रदेश नोडल अधिकारी डॉ.सुनील सिंह से दूरभाष पर बात करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। यलिसिस यूनिट के अनुबंध को सिंगल यूज डायलाइजर हेतु समीक्षा करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त प्रदेश स्तर पर अनुबंध मे समीक्षा व निर्णय होने तक बजट घोषणा के अनुरूप 10 बैड की डायलिसिस यूनिट चालू करने हेतु स्थानीय स्तर पर अल्पकालिक अनुबंध का निर्णय लिया गया।

भामाशाहों द्वारा अस्पताल में करवाए जा रहे कार्यो की ली जानकारी

जिला अस्पताल में जिला उद्योग संघ द्वारा 20 लाख की लागत से नये गायनी ओपीडी निर्माण, श्याम सुंदर सोनी द्वारा 20 लाख की लागत से एक्सरे हॉल व रोटरी रॉयल्स क्लब द्वारा करीब 15 लाख की लागत से अस्पताल में स्वागत कक्ष के नवीनीकरण व सौंदर्यीकरण के साथ साथ पार्क का विकास करवाया जाएगा। गौरीशंकर व्यास द्वारा 5 लाख की लागत से अस्पताल परिसर मे भर्ती मरीजों के रिश्तेदारों के बैठने हेतु प्रतीक्षालय और जल मंदिर का निर्माण करवाया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न दानदाताओं के माध्यम से अस्पताल प्रशासन को 100 नए गद्दे उपलब्ध करवाए जाएंगे।

राज्य जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
13 जून, 2025

"कार्यालय जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण खैरथल - तिजारा

क्रमांकः सीईए/पैथ लैब/2025/1549 दिनांक- 12/06/2025

सूचना

आमजन को सूचित किया जाता है कि नैदानिक स्थापन के अन्तर्गत पैथलैब स्थाई रजिस्ट्रीकरण हेतु न्यूनतम मानक की अनुपालना के संबंध मे विस्तृत सूचना प्राधिकरण की बेवसाईट www.clinicalestablishments.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त पैथलैब के द्वारा न्यूनतम मानक की अनुपालना की सूचना गलत प्रेषित की गई है, के संबंध मे यदि किसी व्यक्ति द्वारा आपत्ति प्रेषित की जानी है, तो उसके द्वारा प्राधिकरण की ई-मेल आई.डी. rchkha@rediffmail.com पर 30 दिवस मे मय प्रमाण के सूचित करे ।

पैथलैब का नाम रिषी डायग्नोस्टिक सेन्टर पता नियर रेलवे क्रॉसिंग जोधपुर मिष्ठान भण्डार के पीछे खैरथल जिला खैरथल - तिजारा

डॉ0 अरविन्द गेट
संयोजक
जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण एवं
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
खैरथल - तिजारा

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड- सुजानगढ़

E-Mail : eesuj.chu.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक- अअ/जनस्वा/निविदा/2025-26 / 618- 638 दिनांक- 04/06/2025

'ई' निविदा सूचना संख्या 21 से 24 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्ल्यू. एफ. एण्ड ए. आर. पार्ट -ना अपेडिक्स दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रों (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों एवं संबंधित कार्यों में अनुभव रखने वाली फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा फर्म ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से कॉलम संख्या 06 में अंकित तिथि तक सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड / अपलोड किये जा सकते है। वैब साईट पर तकनिकी बिड कॉलम संख्या 08 में अंकित तिथि को इस कार्यालय में प्रातः 11.30 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवंश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले कार्य दिवस को उसी समय पर तकनिकी बिड़ खोली जावेगी ।

निविदा शुल्क / धरोहर राशि ई-ग्रास के माध्यम से जो कि अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड-सुजानगढ़ (डी. डी. ओ. कोड़ 13128) के नाम देय हो एवं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क रू0 50.00 लाख तक 500 /- रूपये तथा 50.00 लाख से अधिक 1000 /- रूपये ई-ग्रास के माध्यम से जो कि MD, RISL Payable At Jaipur के नाम से देय हो इस कार्यालय में कॉलम संख्या 07 में अंकित तिथि एवं समय सांय 6.00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल (MSC) हस्ताक्षर के माध्यम से वैब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है ।

NIB No	UBN No.
21/2025-26	PHE 2526 WSRC 03186
22/2025-26	PHE 2526 WSRC 03187
23/2025-26	PHE 2526 WSRC 03188
24/2025-26	PHE 2526 WSRC 03189

(कैलाशचन्द माली)
अधिशाषी अभियन्ता,
स्वा.अभि.विभाग, खण्ड-सुजानगढ़

DIPR/C/7583/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड-सुजानगढ़

E-Mail : eesuj.chu.phed@rajasthan.gov.in.

क्रमांक- अअ/जनस्वा/निविदा/2025-26 / 640 - 657 दिनांक- 04/06/2025

निविदा सूचना संख्या 25 से 27 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में नियमानुसार प्रभावी आदेशों (समय-समय पर संशोधित) के तहत पंजीकृत ठेकेदारों से मोहर बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाओं के विक्रय की अंतिम तिथि एवं प्राप्ति / खोलने की तिथि कार्य के सामने अंकित की गई है । निविदा विक्रय / प्राप्ति / खोलने के दिन अवकाश होने पर निविदाओं का विक्रय/प्राप्ति / खोलने की कार्यवाही अगले कार्य दिवस में होगी। फर्म अथवा ठेकेदार को निविदा क्रय करते समय निविदा शुल्क के साथ पंजीयन प्रमाण-पत्र, जीएसटी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। फैक्स / तार द्वारा भेजी गई निविदा मान्य नहीं होगी। निविदादाता विभागीय बेबसाईट www.sppp.raj.nic.in से निविदा प्रपत्र डाउनलोड करके भी भिजवा सकते है, ऐसी स्थिति में धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र का शुल्क ई-ग्राम के माध्यम से ही जमा करवाना होगा। निविदा से संबंधित अन्य शर्ते इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है। निविदाएं विक्रय तिथि की अंतिम तिथि की सांय 6.00 बजे तक है। प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि को दोपहर 3.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के सम्मुख खोली जावेगी । कार्य को आवश्यकतानुसार घटाने-बढाने अथवा बिना कोई कारण बताए निविदा को निरस्त करने के लिए निम्न हस्ताक्षरकर्ता को पूर्ण अधिकार होगा तथा देरी से प्राप्त होने वाली निविदा के लिए विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। कोई विवाद उत्पन्न होने पर वाद चूरू न्यायालय में दायर किया जायेगा, भारत में स्थित अन्य किसी कस्बा या शहर में नहीं ।

NIB No	UBN No.
25/2025-26	PHE 2526 WSOB 03193
26/2025-26	PHE 2526 WSOB 03215
27/2025-26	PHE 2526 WSOB 03216

(कैलाशचन्द माली)
अधिशाषी अभियन्ता,
स्वा, अभि. विभाग, खण्ड-सुजानगढ

DIPR/C/7584/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड-सुजानगढ़

E-Mail: eesuj.chu.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक- अअ/जनस्वा/निविदा/2025-26/566-584 दिनांक- 30/05/2025

निविदा सूचना संख्या 17 से 20/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में नियमानुसार प्रभावी आदेशों (समय-समय पर संशोधित) के तहत पंजीकृत ठेकेदारों से मोहर बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाओं के विक्रय की अंतिम तिथि एवं प्राप्ति / खोलने की तिथि कार्य के सामने अंकित की गई है। निविदा विक्रय / प्राप्ति / खोलने के दिन अवकाश होने पर निविदाओं का विक्रय / प्राप्ति / खोलने की कार्यवाही अगले कार्य दिवस में होगी। फर्म अथवा ठेकेदार को निविदा क्रय करते समय निविदा शुल्क के साथ पंजीयन प्रमाण-पत्र, जीएसटी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। फैक्स / तार द्वारा भेजी गई निविदा मान्य नहीं होगी। निविदादाता विभागीय बेबसाईट www.sppp.raj.nic.in से निविदा प्रपत्र डाउनलोड करके भी भिजवा सकते है, ऐसी स्थिति में धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र का शुल्क ई-ग्राम के माध्यम से ही जमा करवाना होगा। निविदा से संबंधित अन्य शर्ते इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है। निविदाएं विक्रय तिथि की अंतिम तिथि की सांय 6.00 बजे तक है। प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि को दोपहर 3.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के सम्मुख खोली जावेगी। कार्य को आवश्यकतानुसार घटाने-बढाने अथवा बिना कोई कारण बताए निविदा को निरस्त करने के लिए निम्न हस्ताक्षरकर्ता को पूर्ण अधिकार होगा तथा देरी से प्राप्त होने वाली निविदा के लिए विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। कोई विवाद उत्पन्न होने पर वाद चूरू न्यायालय में दायर किया जायेगा, भारत में स्थित अन्य किसी कस्बा या शहर में नहीं ।

NIB No	UBN No.
17/2025-26	PHE 2526 GSOB 03030
18/2025-26	PHE 2526 GSOB 03032
19/2025-26	PHE 2526 WSOB 03033
20/2025-26	PHE 2526 WSOB 03034

(कैलाशचन्द माली)
अधिशाषी अभियन्ता,
जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड--सुजानगढ

DIPR/C/7416/2025

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने स्टॉकहोम, स्वीडन में इंटरनेशनल आईडीईए सम्मेलन के अवसर पर विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने इंटरनेशनल आईडीईए स्टॉकहोम सम्मेलन 10-12 जून में भाग लेने के लिए स्वीडन की यात्रा के दौरान विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के प्रमुखों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें की। इन बैठकों का उद्देश्य भारत की चुनाव प्रबंधन और लोकतांत्रिक सहयोग की दीर्घकालिक साझेदारियों को और मजबूत करना है। द्विपक्षीय बैठकों के दौरान, ज्ञानेश कुमार ने चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक-एक करके विस्तृत चर्चा की, जिसमें चुनाव से

संबंधित अनुभवों और नवाचारों की एक विस्तृत श्रृंखला को साझा किया गया। शाम को, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इंटरनेशनल आईडीईए स्टॉकहोम सम्मेलन ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी के उद्घाटन सत्र में उद्घाटन भाषण भी दिया। इस अवसर पर मारिसा आर्लीन काब्राल पोरचास, अंतरराष्ट्रीय मामलों की समन्वयक औरनॉर्मा इरेन डी ला क्रूज़, निर्वाचन पार्षद, राष्ट्रीय निर्वाचन संस्थान, मैक्सिको, मोचम्मद अफिफुद्दीन, अध्यक्ष, जनरल इलेक्शन कमीशन, इंडोनेशिया, पुरवे डेलगेनारन, अध्यक्ष, जनरल इलेक्शन कमीशन, मंगोलिया, मोसोथो साइमन मोएप्पा, अध्यक्ष, इलेक्टोरल कमीशन, दक्षिण अफ्रीका, हांसपीटर विस्स, नीति सलाहकार, स्विस विकास और सहयोग एजेंसी, स्विट्ज़रलैंड, एंजेलिका कारामन, अध्यक्ष और पावेल पोस्टिका, उपाध्यक्ष, केंद्रीय चुनाव आयोग, मोल्दोवा, डेरियस गैजाउसकास, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग प्रमुख, निर्वाचन आयोग, लिथुआनिया, अब्दुल रहमान मोहम्मद इरफान, निर्वाचन आयुक्त, मॉरिशस निर्वाचन आयोग, विजय रंगराजन, मुख्य कार्यकारी, इलेक्टोरल कमीशन, यूनाइटेड किंगडम, अन्ना-कैरीन लिडहैम, प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय, स्वीडन, मारिजा रिंतेल, सहायक प्रमुख, संघीय चुनाव आयोग, जर्मनी सहित द्राज़ेनको पांडेक, राज्य चुनाव आयोग, क्रोएशिया उपस्थित रहें।

सरमथुरा में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में अटल जन सेवा शिविर आयोजित

बुजुर्ग को सुनने में परेशानी होने पर कलक्टर ने मौके पर ही दिलवाया श्रवण यंत्र

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। सरमथुरा के उपखंड कार्यालय में गुरुवार को जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में अटल जन सेवा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया। जनसुनवाई के दौरान परिवादी ओमप्रकाश ने अवरुद्ध नाले से अतिक्रमण हटवाने की मांग की, जिस पर जिला कलक्टर ने अधिशाषी

अधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार, कुरिगमा संपर्क सड़क पर जलभराव की समस्या पर पीडब्ल्यूडी को त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित किश्त के मामले में कलक्टर ने विकास अधिकारी को समुचित कार्यवाही करने को कहा। राजस्थान पेंशनर समाज की ओर से प्रस्तुत अतिक्रमण संबंधी मामले में महाकालेश्वर रोड सती का चौक से अतिक्रमण हटवाने हेतु उपखंड अधिकारी को निर्देशित किया गया। इस दौरान सार्वजनिक हित से जुड़े अनेक प्रकरण सामने आए, जिनके निस्तारण के लिए जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों को समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। शिविर के दौरान एक मानवीय पहल भी देखने को मिली। जब जिला कलक्टर को बुजुर्ग दौजी जाटव की सुनने में परेशानी का पता चला, तो उन्होंने तुरंत कृत्रिम श्रवण यंत्र मंगवाकर बुजुर्ग को पहनाया। श्रवण यंत्र मिलने पर बुजुर्ग के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी, जिसने उपस्थित लोगों को भी भावुक कर दिया। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त परिवादों का गंभीरता से समाधान करें। साथ ही संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों को भी प्राथमिकता से निस्तारित करें। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी सुधा रानी मीना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय निगमों की विभिन्न योजनाओं में आवेदन आमंत्रित

धौलपुर (निसं.)।परियोजना प्रबंधक राजस्थान अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-2026 में संचालित राष्ट्रीय निगमों की विभिन्न ऋण योजनाओं में 3 जून से 31 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। परियोजना प्रबंधक अनुजा निगम मनीराम शर्मा ने बताया कि इच्छुक अनुसूचित जाति वर्ग के 16, अनुसूचित जनजाति वर्ग 8, सभी वर्गो के विशेष योग्यजन 8, सफाई कर्मचारी, स्वच्छकार वर्ग 9 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के 14 व्यक्तियो को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न व्यवसाय, उद्योग, सेवा क्षेत्र आदि हेतु यथा किराना दुकान, सिलाई कार्य, भैस एवं गाय पालन, कपड़ा दुकान, ऑटोमोबाईल रिपेयरिग, डेयरी, ई-रिक्शा, ऑटो-रिक्शा, ट्रैक्टर मय ट्रोली, जीप टैक्सी, सोलर लाईट आदि हेतु अनुजा निगम पोर्टल पर ऑनलाईन ऋण आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए आवेदक की आयु 18 से 60 वर्ष के मध्य हो तथा परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रूपये से कम हो, जिले का मूल निवासी हो तथा आवेदक पर बैंक अथवा किसी भी वित्तीय संस्था का अवधिपार ऋण बकाया नहीं हो को 4 से 8 प्रतिषत वार्षिक ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत धांधेला

पं.स पाटन जिला सीकर

क्रमांक- ग्राप/टेंडर/2025-26/44-46 दिनांक- 11/6/25

ई-निविदा / खुली बोली सुचना /07/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामो में वितीय वर्ष 2025-26 में घर घर कचरा एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गाँवो की सड़क एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओ हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग (अनुभाग-5) की गुइदेलिने अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो की वास्तु एवं सेवाकर (GST) अधिनियम के तहत पंजीकृत हो ,से दिनांक 18.06.2025 सांय 6.00बे तक खुली बोली / ई नीवी आमंत्रित कि जाती है 7 निविदा की विस्तृत सूचनाये एवं शर्ते वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है ।
UBN NO.PK2526SSRC00073

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत धांधेला
पं.स पाटन जिला सीकर

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT JEELO P.S PATAN (SIKAR)

SR NO. 102 DATE :- 12/06/2025

NOTICE INVITING BID

Bid for constuction works under mla lad schems are invited from interested bidders up to 12.06.2025,9.30 AM to 18.06.2025, 6.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portel (https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the work is maximum-700000/-

UBN NO.PK2526SSRC00075

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जीलो
पं.स पाटन जिला सीकर

कार्यालय ग्राम पंचायत जीलो

पं.स पाटन जिला सीकर

क्रमांक-ग्राप / टेंडर/2025-26/101 दिनांक- 12/06/2025

ई-निविदा / खुली बोली सुचना 04/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामो में वितीय वर्ष 2025-26 में घर घर कचरा एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गाँवो की सड़क एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओ हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व् ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग (अनुभाग-5) की गुइदेलिने अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो की वास्तु एवं सेवाकर (GST) अधिनियम के तहत पंजीकृत हो से दिनांक 18.06.2025 सांय 6.00बे तक खुली बोली / ई नीद आमंत्रित कि जाती है । निविदा की विस्तृत सूचनाये एवं शर्ते वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO.PK2526SSRC00074

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जीलो
पं.स पाटन जिला सीकर

कार्यालय ग्राम पंचायत रेड़ी पंचायत समिति तारानगर, चूरू

क्रमांक- 33-37 दिनांक-12.06.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 02 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत रेड़ी के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गावों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। उक्त निविदा सूचना की ग्राम पंचायत वार विवरण एवं शर्तें https://eproc.rajasthan.gov.j एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे एंव Download कर प्राप्त की जा सकती है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	M.D RISL शुल्क रूपये मे	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की दिनांक एवं समय	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम दिनाकं व समय	बोली खोलने की दिनाकं व समय
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	ग्राम पंचायत के समस्त गावों में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	997000	19940/	1000	500	13.06.2025 प्रातः 10.00 बजे से	23.6.2025 को सांय 06.00 बजे तक	24.06.2025 को दोपहर 01.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत रेडी पंचायत समिति तारानगर जिला चूरू से व्यक्तिशः अथवा एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं अमानत राशि के मूल डी. डी. की प्रति ऑनलाईन तकनीकी निविदा के साथ संलग्न कर अपलोड करनी होगी। साथ ही निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं अमानत राशि का डी. डी. व निविदा संबंधी अन्य दस्तावेज निविदा खोलने की दिनांक 24-06-2025 को दोपहर 11-00 बजे तक जमा करानी होगी।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत रेडी पंचायत समिति तारानगर जिला चूरू के कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी.डी सरपंच ग्राम पंचायत रेडी के नाम बनाना होगा प्रोसेसिंग शुल्क का डी.डी M. DRISL, Jaipur अथवा ई-ग्रास पोर्टल द्वारा चालान मद 8658-00-102 शिविल मद में जमा कराना होगा ।
4. निविदा प्रपत्र शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं प्रतिभूति राशि के डी. डी. को भौतिक रूप से कार्यालय में जमा कराने वाले निविदादाताओं की ही तकनीकी बोली खोली जायेगी।
5. तकनीकी - वाणिज्यिक / क्वालिफाईड बिड निविदा खोलने की दिनांक को कार्यालय में उपस्थित बोलीदाता / संवेदक या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष उपापन समिति द्वारा खोली जायेगी व तकनीकी बोली में सफल बोलीदाता की ही वित्तीय बोली खोली जायेगी ।
6. यह निविदा ....(कार्य अवधि 31.03.2026) तक कार्य सम्पादन के लिए है ।
7. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का अधिकार उपापन समिति के पास सुरक्षित है।

सरपंच
ग्राम पंचायत रेड़ी
पंचायत समिति तारानगर

बालिकाओं को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राज्य में उच्च शिक्षण संस्थाओं में मादक पदार्थों के बढ़ते प्रभावों को रोकने और नशा मुक्त राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए स्थानीय राजकीय कन्या महाविद्यालय, हेतमसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नई किरण नशा मुक्ति परामर्श केन्द्र की स्थापना की गयी। प्राचार्य डॉ. सुनीता बेनीवाल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी अविनाश कुमार मील और कार्यक्रम की मास्टर ट्रेनर वन्दना कुमारी, सहायक आचार्य के मार्गदर्शन में 10 विद्यार्थियों का सखी समूह बनाया गया है जो महाविद्यालय की छात्राओं को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाएगा और उन्हें नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करेगा। उपस्थित छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर सुभाष चन्द्र, योगेन्द्र कुमार,रविकान्त मीणा आदि संकाय सदस्य व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

उपखंड स्तरीय जन सुनवाई में प्राप्त प्रकरणो का निस्तारण

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। हर माह में द्वितीय गुरूवार को होने वाली उपखंड स्तरीय जन सुनवाई गुरूवार को मंडावा पंचायत समिति सभागार में तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर की उपस्थिति में की गई। तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर ने जानकारी देते हुए बताया कि जन सुनवाई में कुल 10 प्रकरण प्राप्त हुए। प्राप्त प्रकरणो में पीडब्ल्यू विभाग के तीन, राजस्व के तीन, नगरपालिका के दो पंचायत समिति का एक, सूचना प्रोद्योगिकी विभाग का एक प्रकरण प्राप्त हुआ। उन्होने बताया कि प्राप्त हुए प्रकरणो में से तीन चार प्रकरणो का मौके पर ही निस्तारण किया गया और शेष प्रकरणो को संबधित विभाग के अधिकारियो को शीघ्र करने की बात कही। इस अवसर पर डॉ सुरेन्द्र भास्कर राजस्व विभाग, लक्ष्मीनाराण मीणा, विकास अधिकारी पंचायत समिति, सुभाष चंद्र प्रोग्रामर डीओआईटी, इंद्रा खीचंड़ कृषि पर्यवेक्षक, प्रमोद जांगिड़ अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, सुरेश कुमार वर्मा अधिशाषी अधिकारी बिसाउ, दामोदर प्रसाद जागिड़ एसीबीईओ, उत्तम दाधिच, अजय सिंह विद्युत निगम, सिद्वार्थ पीएचइडी, डॉ.अनुपम बुरी पशुपालन विभाग, सुरेन्द्र सिंह, पीडब्ल्यूडी विभाग, राकेश मुंडोतिया सांख्यिक विभाग उपस्थित रहे।

विकसित भारत सामाजिक सुरक्षा लाभार्थी चिन्हीकरण शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राज्स सरकार के आदेश पालना में विकसित भारत सामाजिक सुरक्षा लाभार्थी चिन्हीकरण शिविर का गुरूवार को नगरपालिका चौक स्थित महाजन पंचायत भवन में एक दिवसीय सर्वे शिविर तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर, पंचायत समिति विकास अधिकारी लक्ष्मीनारायण मीणा की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर ने आशा सहयोगिनी को विकसित भारत सामाजिक सुरक्षा लाभार्थी सर्वे कार्यो को करने की जानकारी दी। बीडीओ लक्ष्मीनारायण मीणा ने बताया कि शिविर में सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओ को आवश्यक लोगो तक पहुचाकर उनका लाभ दिलवाए। उन्होने बताया कि परिवार को किसान सम्मान निधि, मॉ योजना/आयुष्मान कार्ड, उज्जवला योजना खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है या वंचित है उनका सर्वे करे। परिवार में कोई व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा, वृद्वावस्था महिला पुरूष, विधवा, विकलांग पेंशन या अन्य किसी भी सरकारी योजनाओ का पात्र हो सर्वे कर उसका नाम जोड़ा जाए जिससे उसको योजनाओ का लाभ मिल सकें। इस अवसर पर एईएन अमीत चौधरी, एडीओ राकेश कुमार जानू, डॉ. संजीव कुलहरी, यूडीसी गणेश सिंह, एलएस विमला, एसएचएस दयानंद सहित अन्य अधिकारी सहित ग्रामीण आशा सहयोगिनी उपस्थित रहे।

झुंझुनूं शहर में करीब 75 से 90 लाख रूपए से बनेंगे तीन मॉर्डन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। शहर में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जल्द बड़ी सौगात मिलेगी। झुंझुनूं शहर में तीन जगहों पर बारिश का पानी इकट्ठा होने की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए और भूमिगत जल स्तर को बढाने के लिए नगर परिषद 75 से 90 लाख रूपए की लागत से तीन मॉर्डन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाने जा रही है। अगले महीने तक इसका काम शुरू हो जाएगा। नगर परिषद आयुक्त दलीप पूनियां ने बताया कि अग्रसेन सर्किल, सीतसर गांव तथा समसपुर रोड पर बारिश के दिनों में पानी इकट्ठा होता है। इसके लिए मॉर्डन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर की टैंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। हर स्ट्रक्चर 25 से 30 लाख रूपए की लागत से बनेगा। जिसमें टैंक, होद बनाने के अलावा 6 से 10 तक पाताल तोड़ गहरे बोरवैल बनाए जाएंगे। बारिश का पानी आधुनिक तरीके से जमीन के नीचे तक पहुंचाया जाएगा। ताकि भूमिगत जल स्तर बढे और शहर में जलभराव की समस्या का समाधान हो। गुरुवार को अभियान के तहत गुगाना जोहड़े में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत श्रमदान किया गया। उन्होंने बताया कि समस तालाब के बाद आज दो–तीन दिनों में इसकी पूरी सफाई होगी। वहीं जोहड़ में जिन रास्तों से पानी आता है। उन रास्तों को भी साफ किया जाएगा। अभियान के जिला संयोजक विश्वंभर पूनियां ने नगर परिषद के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि झुंझुनूं शहर के कुएं, बावड़ी, तालाब और जोहड़ों को पुर्नजीवित करने के लिए कार्य किया जा रहा है।

विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने सुनी जनसमस्याएं

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति उपखंड स्तरीय जनसुनवाई गुरुवार को आयोजित हुई। जनसुनवाई में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व स्थानीय विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुरारका बस डिपो के स्थानीय प्रतिनिधि राजकुमार खिरवाल ने मुरारका बस डिपो पर एक्सप्रेस रोडवेज बसे नहीं आने को ले कर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि करीब 8 आठ वर्ष पूर्व मुरारका चैरिटेबल ट्रस्ट करीब 5 करोड़ की लागत का बस डिपो बना कर नगर पालिका प्रशासन के सुपुर्द कर दिया था किंतु आज तक उक्त बस डिपो में एक्सप्रेस रोडवेज बस से नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि यह पूरे नगर की समस्या है जिस पर स्थानीय विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने आश्वासन देते हुए कहा कि उक्त समस्या का जल्द से जल्द कोई स्थाई समाधान करवाया जाएगा। वही शहर के पुराने बस स्टेंड पर लोकल रोडवेज बस नहीं आने की समास्या को ले कर भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज शर्मा पीसीसी चीफ डोटासरा के पास पहुंचे जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए डोटासरा ने फोन कॉल पर यातायात अधिकारियों से बात की और आश्वासन दिया कि लोकल रोडवेज बसों की व्यवस्था की पहले की तरह चालू कर दिया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान पीसीसी चीफ डोटासरा ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों और आवेदनों को प्राथमिकता से सुना और आवश्यक कार्रवाई की।जनसुनवाई शिविर में ग्रामीणों ने जलापूर्ति, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन, सड़क मरम्मत और राजस्व से संबंधित समस्याएं रखीं, जिनमें से कई का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जानकारी के अनुसार जनसुनवाई शिविर में कुल 90 शिकायतें आई जिनके समाधान संबंधित विभागों को भजे दिया गया। जनसुनवाई शिविर के दौरान पंचायत समिति प्रधान मदन सेवदा, नगर पालिका अध्यक्ष मुस्तफा कुरैशी, एसडीएम मोहर सिंह मीणा, तहसीलदार फाहरुख अली सहित उपखंडस्तरीय अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे। मीडिया से रूबरू होते हुए किसी चीज गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम में किसी प्रकार की राजनीति नहीं होती अपितु जनता की समस्याओं का समाधान करना हमारा धर्म है।हाल ही सम्पन्न हुए पार्षद के उपचुनाव में कांग्रेस की हार को ले कर डोटासरा ने कहा कि एक पार्षद के चुनाव से कोई मूल्यांकन नहीं होता है। केंद्र सरकार पर हमलवार होते हुए डोटासरा ने कहा कि 11 वर्षों में भाजपा की केंद्र सरकार ने जो भी वादे किए थे वो आज तक पूरे नहीं किए। वही जनता ने उनकी विदेश नीति भी हाल ही देखी है। वही दूसरी तरफ देश कर्जे में डूबा जा रहा है, भूखमरी बढ़ रही है। डोटासरा ने कहा कि 11 साल में कम से कम 11 उपलब्धियां तो भाजपा सरकार को बताने चाहिए किंतु एक भी उपलब्धि भाजपा सरकार के पास बताने को नहीं है वही राजस्थान में भी भाजपा सरकार के पास डेढ़ साल में डेढ़ उपलब्धि भी नहीं है।

पुलिस का विशेष अभियान: 17 व्यक्ति गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। विशेष अभियान के तहत होटल-ढाबा, कैफे, धर्मशाला, स्पा-सेंटरों आदि स्थानों पर की गई औचक चैकिंग - संदिग्ध, असामाजिक तत्वों तथा अनैतिक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस की ओर से कुल 218 स्थानों पर चैंकिग कर 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। देवेन्द्र सिंह राजावत आरपीएस, कार्य. पुलिस अधीक्षक, झुन्?झुनू के निर्देशन में जिले में अपराधों की रोकथाम, अनैतिक गतिविधियों पर नियंत्रण व जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में स्थित होटल, ढाबा, कैफे, धर्मशाला, सराय, स्पा-सेंटरों व अन्य संदिग्ध स्थलों पर पुलिस टीमों की ओर से औचक चैकिंग अभियान चलाया गया। चैकिंग के दौरान कुल 218 होटल, ढाबा, कैफे, धर्मशाला, सराय, स्पा-सेंटरों व अन्य संदिग्ध स्थलों की चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त व संदिग्ध व्यक्तियों, असामाजिक तत्वों की पुष्टि होने पर 17 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया व आवश्यक वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई गई है। इस कार्रवाई के तहत होटल/धर्मशालाओं का रजिस्टर चेक किया गया। आगंतुकों की पहचान की गई, सीसीटीवी व सुरक्षा व्यवस्थाएं देखी गईं बिना आईडी व संदेहास्पद परिस्थितियों में ठहरने वालों से पूछताछ की गई। जिला पुलिस की ओर से आमजन से अपील की जाती है कि यदि आपके आस-पास कोई संदिग्ध गतिविधि या व्यक्तियों की जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी। झुन्झुनू पुलिस का यह अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा ताकि जिले में शांति व कानून-व्यवस्था बनी रहे।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत पोस्टर व प्रचार-प्रसार सामग्री का विमोचन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 जून को नशीली दवाओं के दुरूपयोग और तस्करी के खिलाफ अन्तर्राष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर को प्रभावी ढंग से मनाने व प्रचारित करने के लिए नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान के प्रति जन-सामान्य में जागरूकता के लिए जिले में 12 जून से 26 जून तक विभिन्न कार्यक्रमों / गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। 16 जून को चिकित्सा विभाग की ओर से जिले की राजकीय / निजी नर्सिंग शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं के साथ रैली का आयोजन किया जाएगा। साथ ही चिकित्सा विभाग की ओर से ही 22 जून से 26 जून, 2025 तक जिले में संचालित सभी नशामुक्ति केन्द्रों/ODIC केन्द्रों के माध्यम से जिले के हॉट स्पॉट यथा रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, कच्ची बस्ती आदि स्थानों पर सघन आउटरीच कार्यक्रम चलाया जाएगा व सामुदायिक उपचार व जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। 16 जून व 18 जून को नेहरू युवा केन्द्र, झुन्झुनू की ओर से शिक्षण संस्थाओं एवं ग्राम पंचायतों में नुक्कड़ नाटक का आयोजन, 19 जून को राजकीय/निजी महाविद्यालयों/ पॉलिटेक्निक कॉलेजों / आईटीआई इत्यादि में नशा मुक्ति संबंधी प्रतियोगिता, नशा विरोधी संदेश, चलचित्र, विचार गोष्ठी, शपथ, विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान का आयोजन, 21 जून को खेल व युवा मामले विभाग की ओर से योग दिवस के उपलक्ष्य पर जिला स्वर्ण जयन्ती स्टेडियम, शैक्षणिक संस्थानों, कोचिंग संस्थानो, छात्रावासों, प्रबुद्धजनों व प्रातः भ्रमण करने वाले नागरिको के साथ एनएमबीए बैनर के बैकड्रोप में योग/ध्यान शिविर का आयोजन किया जाएगा। 12 जून से 26 जून तक जिले के सभी केन्द्र व राज्य सरकार के राजकीय संस्थानों / उपक्रमों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन तथा 26 जून को स्काउट गाइड की ओर से प्रातः वॉकाथन / मिनी मैराथन व प्रशासन विभाग की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। अभियान की शुरूआत गुरुवार को नशामुक्ति "पोस्टर विमोचन" के माध्यम से की गई। जिसका जिला कलेक्टर रामावतार मीणा की ओर से किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक पवन पूनिया ने बताया कि पोस्टर व प्रचार-प्रसार सामग्री का विमोचन के समय बनरवारी लाल सैनी, सरजीत चौधरी, सीएमएचओ छोटेलाल गुर्जर, पीआरओ हिमांशु सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कृष्ण कुमार यादव, अति0 प्रशासनिक अधिकारी, राजीव कुल्हार, कनिष्ठ सहायक, अंकित विश्नोई निजी सहायक, राजेन्द्र धवल वरिष्ठ सहायक उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत दी उन्नत जानकारियां

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। ज़िले में 29 मई 2025 से 12 जून 2025 तक कृषि विभाग और उद्यान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कृषि विज्ञान केंद्र आबूसर में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ज़िले के कृषकों को कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन व अन्य समस्त प्रकार की जानकारियां उपलब्ध करवाई गई जिससे पैदावार में व आमदनी में बढ़ोतरी हो सके। कृषि विज्ञान केंद्र आबूसर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ दयानन्द ने बताया की ज़िले में प्रतिदिन वैज्ञानिकों, कृषि और उद्यान विभाग के अधिकारियों व कर्म चारियों की दो टीमें बनाकर प्रतिदिन जिले की छह ग्राम पंचायतों में विकसित कृषि संकल्प अभियानों का आयोजन किया गया व इस प्रकार 15 दिनों में ज़िले की कुल 90 ग्राम पंचायतों में विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम आयोजित कर कृषकों को उन्नत कृषि, बागवानी, पशुपालन, प्राकृतिक खेती व जैविक खेती, जल संरक्षण से संबंधित व मृदा स्वास्थ्य में कैसे सुधार करें सहित अनेक प्रकार की कृषि संबंधी जानकारियाँ उपलब्ध करवाई गई। केंद्र व राज्य सरकार की ओर से संचालित विभिन्न विभागीय योजनाएं की जानकारी भी दी गई, जिन्हें अपनाकर कृषक फायदा उठा सकते हैं। इस दौरान ज़िले के प्रगतिशील व पुरस्कृत किसानों के भी व्याख्यान करवाए गए और किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए बताया गया कि किस प्रकार किसान अपने खेतों पर समन्वित कृषि प्रणाली की ओर से उत्पादन व आमदनी बढ़ा सकते हैं। अभियान के दौरान कृषकों का फीडबैक भी लिया गया की कृषि में किसी तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं और उस फीडबैक को अनुसंधान संस्थानों को भेजा जाएगा जिससे भविष्य में जो अनुसंधान हो वो इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए किया जाए।

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2025/2257 दिनांक :– 10.06.2025

निविदा सूचना – 2025

नगर परिषद सुजानगढ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मस से निविदा दिनांक 19.06.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रतियां दिनांक 19.06.2025 को दोपहर 1:00 बजे तक विक्रय की जावेगी प्राप्त निविदायें उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जावेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक–**(DLB2526WSOB07479)** कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/25/4130

Office of the Additional Chief Engineer (Project) PHED, Churu

E-mail ace.chu.phed@rajasthan.gov.in

No. 359-396 Date:- 23-05-2025

Corrigendum NO. 01 For this office NIT NO. 01/2025-26

Corrigendum NO. 01 for this office NIT NO. 01/2025-26 Estimated Rs. 237.87 Crore (UBN is: PHE 2526 WLOB 01689 & Tender ID 2025_PHCJ_462297_1) may be visited on the procurement portal ttp://eproc. rajasthan. gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in.

SAVE WATER-SAVE LIFE

(Rammurti
Add. Chief Engineer (P)
PHED, Project Region Churu

DIPR/C/6996/2025

GOVT.OF RAJASTHAN

PM SHRI GOVT.SENIOR SECONDARY SCHOOL VIRATNAGAR (KOTPUTLI-BEHROR)

UDISE CODE- 08120213204 SD CODE- 218360
Sr.No. -585 Date.- 11/06/2025

श्रीलामी सूचना

इस विद्यालय के अनुपयोगी / नकारा/अक्रियाशील उपकरणों की नीलामी जिसका विवरण निम्नासार लोटा का सामान, लकड़ी वा सामान, प्लास्टीक का सामान पीतल का सामान, कोच का सामान, की अनुमानित पुस्तक मूल्य रूपये 5,50,000= 00 है दिनांक 02/07/2025 को प्रात 10.00 बजे विद्यालय प्रागण में खुली बोली द्वारा की जायेगी।

इच्छुक फर्मी व्यक्ती नियमानुसार 2% धरोहर राशी जमा करवाकर उक्त प्रक्रिया में भाग ले सकता है। शेष शर्ते किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

प्रधानाचार्य
पी. एम. श्री राजकीय सच्च माध्यमिक विद्यालय
विराटनगर (कोटपूतली - बहरोड़)

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री राजेश पुत्र श्री गिरधारी लाल शर्मा निवासी वार्ड सं. 35, गांधी कॉलोनी, चूरू (राज.) की पुत्री योगिता शर्मा दिनांक 05.06. 2025 को मेरे अभिभाष्य व उसके परिवार को बताए बिना कहीं चली गई थी जिस संबंध में मेरे अभिभाष्य द्वारा इसी दिनांक को अपनी पुत्री योगिता के गुमशुदा होने की सूचना पुलिस थाना कोतवाली चूरू में पंजीकृत करवा दी गई थी। इसके पश्चात मेरे अभिभाष्य को ज्ञात हुआ कि उसकी पुत्री योगिता ने मेरे अभिभाष्य व उसके परिवार की सहमति व स्वीकृति के बिना अपनी मर्जी से विवाह कर लिया है जिससे मेरे अभिभाष्य व उसके परिवार को असीम आघात पहुंचा है। इस कारण मेरा अभिभाष्य अपनी पुत्री योगिता को अपनी व परिवार की सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है तथा भविष्य में योगिता से मेरे अभिभाष्य व उसके परिवार का किसी प्रकार का कोई संबंधी नहीं रहा है तथा किसी भी व्यक्ति द्वारा यदि योगिता से किसी प्रकार का संव्यवहार किया जाता है तो वह उस व्यक्ति की स्वयं की जिम्मेदारी पर होगा जिससे मेरे अभिभाष्य व उसके परिवार का किसी प्रकार का कोई सरोकार नहीं होगा। सूचित हो ।

भवदीय,
अभिषेक टावरी अधिवक्ता, चूरू
वास्ते श्री राजेश पुत्र श्री गिरधारी लाल शर्मा
निवासी चूरू

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

क्रमांक- 554-561 दिनांक- 03.06.2025

ई-निविदा सूचना संख्या- 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील राजगढ जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर. पी डब्लयू. ए 100 की शर्त लागू होगी । निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. PWD2526A1098

W.No.	UBN No.	W.No.	UBN No.
1	PWD2526WSOB03677	2	PWD2526WSOB03679
3	PWD2526WSOB03682	4	PWD2526WSOB03684
5	PWD2526WSOB03685	6	PWD2526WSOB03686
7	PWD2526WSOB03687	8	PWD2526WSOB03688

DIPR/C/7680/2025

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि खण्ड राजगढ़ (चूरू)

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR.

No. NIT/2025-26 / 852740 निविदा सूचना / 2025-26 Date- 12.06.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए केन्द्र / राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	निविदा सूचना संख्या
Electrical work on Toll Plazas of Jaipur- Nagaur Road. UBN: RRC2526WSOB00274	13.79 Lakh	ई-144/ 25-26
Construction of RCC Box Culvert on Dudu- Malpura-Todaraisingh- Chann Road. UBN: RRC2526WSOB00273	106.68 Lakh	अल्पकालीन ई-145/25-26
Construction of Admin Block, Parking & Landscaping and Various outer Development at RBM Hospital, Bharatpur. (02 No. works) UBN (1) RRC2526WSOB00276 (2) RRC2526WSOB00277	220.27 Lakh	अल्पकालीन ई-147/25-26
Construction of PMO Residence at Bharatpur. UBN: RRC2526WSOB00278	93.23 Lakh	

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http:// pwd. rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है । इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सरदारशहर

क्रमांक- 501-10 दिनांक- 04-06-2025

ई - निविदा सूचना सं. 06/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सरदारशहर खण्ड के अन्तर्गत सड़क मरम्मत कार्य हेतु कुल 01 कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन ई-निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। आर.पी. डब्ल्यू. ए. - 100 की शर्त लागू होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। SPPP पर अपलोड NIB No. PWD2526A1074 के UBN No. निम्न प्रकार है-

Sn.	UBN No.
1	PWD2526WSOB03563

DIPR/C/7593/2025

(राजेन्द्र कुमार सैनी)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड सरदारशहर

बालू से बर्फ तक की साईकिल यात्रा कर चूरू पहुंचने पर ललित का किया भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। 57 दिनों में 3500 हजार किलोमीटर की लद्दाख तक साईकिल यात्रा कर चूरू जिले का पूरे भारत देश में परचम लहराने वाले ललित जांगिड़ का बुधवार शाम को चूरू पहुंचने पर शहर वासियों ने इन्द्रमणी पार्क में भव्य स्वागत किया। इस दौरान युवाओं ने भारत माता के जयकारों के साथ गर्मजोशी से चूरू के लाल का भव्य स्वागत किया। इस दौरान एक समारोह में विधायक हरलाल सहारण, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, विश्वकर्मा मन्दिर अध्यक्ष झूमरमल राजोतिया, अखिल भारतीय विष्वकर्मा छात्र एवं युवा संघ के राष्ट्रीय महासचिव बीएन राजोतिया, भाजपा महामंत्री भास्कर शर्मा, समाज सेवी प्रकाश राजोतिया, आपनी पाठशाला के धर्मवीर जाखड़, समाज सेवी महावीर जांगिड़, मनोज जांगिड़ सहित अनेक अतिथियों ने मार्ल्यापण कर ललित का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने

बताया कि ललित जांगिड ने बालू से बर्फ की ये 3500 किलोमीटर की साईकिल यात्रा 57 दिनों में पूरी कर चूरू का राजस्थान और भारत में कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि ललित जांगिड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित होकर पेड़ बचाओ व पानी बचाओ के इस संदेश को साईकिल यात्रा से आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया है। इस कठिन लक्ष्य को चूरू के ललित जांगिड़ ने पूरा कर इतिहास रचा है। एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि चूरू के ऊर्जावान युवा जांगिड ने इस यात्रा में पानी की बचत व पेड़ पोधों को बचाने का सन्देश देने के लिए 15 अप्रैल को अपनी लेह लद्दाख की साइकिल यात्रा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति जो मन में ठान ले, तो दुनिया का कोई भी काम कठिन नहीं है। भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने इस कठिन यात्रा को पूरा करने के लिए ललित को शुभकामनाएं दी। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, नगर परिषद् आयुक्त अभिलाषा सिंह व सीईओ श्वेता कोचर ने दुरभाष के माध्यम से जांगिड़ को शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय महासचिव बीएन राजोतिया ने बताया कि जल बचाओ और पेड़ बचाओ का सन्देश देने के लिए चूरू के लाल ललित जांगिड़ को एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने 15 अप्रेल 2025 को चूरू के नेचर पार्क से रवाना किया। प्रधानमंत्री के सन्देश को लक्ष्य मानकर 75 दिनों में पूरा करने के लिये इस लक्ष्य को 57 दिनों में पूरा कर एक उपलब्धि हासिल की है। गौरतलब है कि पहल गाँव की घटना के बाद भारत और पकिस्तान के इस युद्ध में कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करते हुये हार नहीं मानी और आगे बढ़ता गया, जबकि दूसरा साथी जयपुर के शत्रुधन जांगिड़ ने इन सभी कठिनाईयों से हारकर वापस अपने गाँव आ गया जबकि भारत माता के इस लाल ने पीछे नहीं हटने का निर्णय लिया और आगे बढ़ता गया और उम्लिगला ले लद्दाख पंहुचा और भारत माता के इस लाल ने बालू से बर्फ की ये 3500 किलोमीटर की यात्रा 19,030 फिट की साईकिल यात्रा 57 दिनों में पूरा कर भारत माता की जय बोलते हुये तिरंगा फहराया। इस अवसर पर जिला महामंत्री भास्कर शर्मा, पार्षद विश्वनाथ जांगिड़, सुधीर शर्मा, पुनीत लाटा ने प्रतिक चिन्ह् प्रदान कर सम्मानित किया। चूरू जिला सलाहकार मनोज जांगिड़ ने बताया कि इन्द्रमणी पार्क से डीजे और बाईक रैली के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। यह यात्रा इन्द्रमणि पार्क से रवाना होकर श्रीराम मंदिर, गढ़ चौराहा, मोचीवाड़ा, टकणेत हाउस होते हुए ललित जांगिड़ के घर पहुंची। इस दौरान जगह-जगह मार्ल्यापण कर व पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष संदीप जांगिड़, श्रीचन्द कपूरिया, एडवोकेट चंगेज खान, हिमांशु, मनोज राजोतिया, अनिल पटीर, ओम सिंह खारिया, प्रदीप कत्थक, सलीम खान, सुशील, जियाउल हक, दीपक, सुरेन्द्र, आकाश, दीपक कामिल, रवि आर्य, अनिल प्रजापत, प्रशांत, कमलेश सहित बड़ी संख्या में शहर के कई लोग उपस्थित रहे।

टोल माफी को लेकर धरना तीसरे दिन भी जारी

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के निकटवर्ती भनिण टोल के पास टोल माफ़ सहित विभिन्न मांगो को लेकर गुरुवार को किसानों का धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। किसानों का कहना है कि टोल के 15 मिलोमीटर दायरे में आने वाले सभी गाँवों के लोगों का टोल माफ़ हो। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि ज़ब तक मांग पूरी नहीं होती है तब तक धरना निरंतर जारी रहेगा और आंदोलन को और उग्र किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उपस्थित किसानों ने सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मोके पर सरपंच कृष्ण सहारण, सुनील बेनीवाल, चिमनाराम पांडर, मनोज कस्वां, विजय कस्वां, विक्रम सोनी, जयवीर मुहाल सहित काफी किसान उपस्थित रहे।

भगवान सिंह रोलसाहबसर को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। कस्बे के राजपूत कोटडी में सुबह 9 बजे श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाहबसर साहब स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। इसमें सालासर व जुलियासर के समाज बंधुओं के साथ सर्व समाज सहयोगी साथियों ने दीप प्रज्वलित करते हुए महान व्यक्तित्व के धनी भगवान सिंह को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन परिचय, उदेश्यों और उनके योगदान को याद किया। नारायण सिंह सालासर ने कहा कि उनके संस्कार व शिक्षा को अंगीकार करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। महेन्द्र सिंह जुलियासर, सुरेश सिंह, नंदूसिंह जुलीयासर, सुमितसिंह जुलियासर ने भगवान सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके त्याग को याद करते हुए सभी के साथ 5 मिनट मौन धारण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन रूपसिंह सालासर ने किया। इस दौरान विक्रम सिंह, प्रहलाद सिंह, चैनसिंह, प्रदीप सिंह, भंवर सिंह, गोपाल ढाका, बीजूसिंह, लालसिंह शेखावत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सीवरेज रखरखाव के लिए सामुदायिक बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर के वार्ड संख्या एक, दो व 9 में सीवरेज के रखरखाव के लिए सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया। पार्षद अब्बास गौरी की अध्यक्षता एवं आरयूआईडीपी के एक्सईएन आरडी गर्ग के निर्देशन में हुई बैठक में जनसहभागिता इकाई के प्रवीणसिंह राठौड़ व छोटू सैनी ने वर्तमान में चल रहे सीवरेज व ड्रेनेज कार्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने परियोजना कार्य में आमजन की भागीदारी पर प्रकाश डाला। राठौड़ ने कहा कि कोई भी परियोजना आमजन के सहयोग से ही सफल होती है। इस दौरान प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग कर नालियों में नहीं बहाने, कपड़े के थैलों का प्रयोग करने, सीवरेज घरेलू कनेक्शन के दौरान स्नानघर व रसोई में जाली लगाने का आह्वान भी किया। पार्षद गौरी ने कहा कि शहर में चल रही परियोजना का पूर्ण लाभ उठाए। कार्य के दौरान कोई भी समस्या आए, तो संबंधित अधिकारियों को अवगत करवाए। घर का व्यक्ति स्वयं की जिम्मेदारी समझते हुए गुणवत्तापूर्वक कार्य करवाकर परियोजन के इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर मातादीन, नौरंगलाल, सांवरमल, बनवारीलाल, रफीक खां सहित वार्ड के काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत रैली निकालकर किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव रामसीसर में जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर एक सार्वजनिक रैली निकालकर आमजन को जल की महत्ता के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय में मां वागीशा के आवक्ष के समक्ष दीप जलाकर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि रजिराम मेघवाल, सीबीईओ अशोक पारीक, जलदाय विभाग के अधिकारी रामदेव पारीक, विकास जोशी, मुनीश कुमार मीना, जयप्रकाश सैनी, मुकेश पूनियां, प्रधानाचार्य जितेन्द्र शर्मा, महावीर पटवारी, मोहरसिंह भाम्भू, शैतान सिंह, परमाराम सारण, सहीराम सारण, अशोक पारीक आदि ने जल संरक्षण को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया।

जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला 14 जून को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला प्रशासन और जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र की ओर से 'वन्दे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान के सफल क्रियान्वयन व जन सहयोग से संचालित करने व जल संरक्षण पर जागरूकता के लिए 14 जून को सांय 4.30 बजे जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने बताया कि कार्यशाला में जल संरक्षण, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। इसी के साथ मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के तहत अधिक से अधिक जन सहयोग व सीएसआर में सहयोग प्राप्त किया जाना है। उन्होंने कार्यशाला में भाग लेकर वंदे गंगा – जल संरक्षण जन अभियान की जानकारी प्राप्त कर अभियान को सफल बनाने के लिए आप अधिक से अधिक जनसहयोग प्रदान करने की अपील की है।'वन्दे गंगा – जल संरक्षण जन अभियान के सफल क्रियान्वयन व जन सहयोग से संचालित करने व जल संरक्षण पर जागरूकता के लिए 14 जून, को सांय 4.30 बजे जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने बताया कि कार्यशाला में जल संरक्षण, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। इसी के साथ मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के तहत अधिक से अधिक जन सहयोग एवं सीएसआर में सहयोग प्राप्त किया जाना है। उन्होंने कार्यशाला में भाग लेकर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की जानकारी प्राप्त कर अभियान को सफल बनाने के लिए आप अधिक से अधिक जनसहयोग प्रदान करने की अपील की है।

नेत्रदान से दो नेत्रहीनों की जिंदगी में आती हैं रोशनी- स्वामी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के निकटवर्ती गांव बरड़ासर के देवीदान चारण पुत्र सुरजदान चारण के नेत्रदान करने से दो नेत्रहीन इस दूनियां को देख सकेंगे। देवीदान का निधन 58 वर्ष की उम्र में हो गया था। नेत्र संग्रह केन्द्र सरदारशहर के समन्वयक गणेशदास स्वामी ने उनके परिजनों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। दुख की घड़ी में भी चारण परिवार ने जो कदम उठाया वह सर्वसमाज के लिए प्रेरणा बन गया। देवीदान चारण के पुत्र भंवरदान व सुखदेव चारण तथा परिवार के घनश्याम व रणजीत चारण सहित पूरे परिवार की सहमति से नेत्र संग्रह केन्द्र के डॉ रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत ने नेत्र संग्रह किया। उक्त जानकारी देते हुए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चूरू चैप्टर मुख्यालय स्थित नेत्र संग्रह केन्द्र के समन्वयक गणेशदास स्वामी ने बताया कि 30 जनवरी को शुरू हुए नेत्र संग्रह केन्द्र में यह बारहवां नेत्रदान है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में चूरू जिले का यह पहला नेत्रदान हुआ है। इससे पूर्व हुए नेत्रदान केवल शहरी क्षेत्र में हुए हैं। देवीदान चारण के परिजनों का गांविमं के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष लोकेश सेठिया ने आभार व्यक्त किया है।बता दें कि गांव बरड़ासर नेत्रदान व रक्तदान में अग्रिम पंक्ति में है। इस गांव में वर्ष 2005-06 में यहां के 30 लोग नेत्रदान का संकल्प लें चुके हैं तथा रक्तदान के क्षेत्र में भी अग्रिम पंक्ति में है। सरदारशहर के ग्रामीण क्षेत्र में यहां अब तक दो रक्तदान शिविर आयोजित हो चुकें हैं।

कुरैश मेडिकल स्टोर का भव्य शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय स्थित नई सड़क पर बुधवार शाम को स्टे रिलेक्सड फिजियोथेरेपी हॉस्पिटल में कुरैश मेडिकल स्टोर का भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीएमएचओ डॉ. एहसान गौरी व डॉ. महेश शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मुमताज अली ने की। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. इकराम हुसैन, डॉ. अभिषेक शाह, डॉ. जुबेर कुरैशी, इंसानियत एकता सेवा समिति के संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब, मुफ्ती इरशाद कासमी, विनोद खारड़िया, आवेश कुरैशी, इमरान खान व मौलाना इमरान रहे। स्टोर का शुभारम्भ अतिथियों ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर असलम भाटी ने बताया कि हमारे स्टोर पर सभी प्रकार की दवाईयां उचित दर पर मिलेगी। इस दौरान रमजान भाटी, हाजी याकूब भाटी, अयूब भाटी, रफीक भाटी, इकबाल भाटी, असगर भाटी, आमीन भाटी, सतार भाटी, सुलेमान मनिहार, अयूब खान, महबूब खान, मोहम्मद अली पठान, शमशाद खान, कयूम राणासर, सोयल खान डीके, इमरान खान जोईया, शफीक खान चौहान आदि उपस्थित रहे। डॉ. अख्तर खान व डॉ. पुष्पा खारड़िया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय लोकतंत्रिक पार्टी ने जनसुनवाई में किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और एक झंडा एक डंडा संगठन ने शहर ओर ग्रामीण क्षेत्र की विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन कर अपनी समस्याओं से अवगत करवाया। जनसुनवाई में आए अधिकारियों को इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने जमकर खरी खोटी सुनाई। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष सांवरमल सारण ने कहा कि समय पर काम नहीं करने वाले कर्मचारियों की वजह से लोगों को परेशानी हो रही हैं। पार्टी एवं संगठन के कार्यकर्ताओं ने खरी खोटी सुनाते हुए क्षेत्र के अंदर बिजली, पानी, सड़क, मनरेगा सहित मुख्य मांगों को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता जनसुनवाई में अधिकारियों के साथ उलझते हुए नजर आए। किसान नेता रूपचंद सारण ने कहा जनसुनवाई में बार बार चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती हैं। सिर्फ आश्वासन दिया जाता है। अगर समय रहते विभाग के अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में नगर अध्यक्ष सांवरमल जाखड़, धीरेंद्र सैनी, रुपचन्द सहारण, संदीप बैदा, राकेश चौधरी, अमित सोनी, मनीराम नायक, सोनू सोनी, शिव चौधरी सहित पार्टी एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जल संरक्षण पर पोस्टर, निबंध व क्विज प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। पीएम श्री राजकीय कनोई बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में वंदे गंगाजल संरक्षण जल अभियान ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीबीईओ सुनीता पूनिया की अध्यक्षता एवं उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में विकास अधिकारी रवि कुमार विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों की ओर से जल संरक्षण पर भाषण, कविता आदि प्रस्तुत किए गए। जल संरक्षण पर पोस्टर, निबंध व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय में पौधारोपण भी किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों को पुरूस्कृत किया गया। एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा, विकास अधिकारी रवि कुमार, एसीबीइओ मंजू पंवार, सीबीईओ सुनीता पूनिया की ओर से वंदे गंगा जल संरक्षण जल अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य सरोज वीर पूनिया ने धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी गौरी शंकर नाई, सुलोचना, नानूराम मेघवाल, कुरडाराम मीणा, सुमन जानू, अनीता सुरेखा, लाजवंती सिंघानिया सहित समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अनीता सुरेखा ने किया।

एनजीओ समूह के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन

ग्रामीण महिलाओं को ऋण चुकाने के भेजे नोटिस

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड के गांव मालसर में महिलाओं के नाम पर इंडियन बैंक ने नोटिस जारी कर लाखों रुपए ऋण चुकाने का नोटिस थमा दिया। नोटिस देखकर किसानों के होस उड़ गए। बैंक ने नोटिस में बताया कि आपने लक्ष्मी बाई हेल्प गुरुफ से ऋण लिया था। ऐसी 6 महिलाओं के नाम नोटिस आए। किसानों ने बैंक में संपर्क किया कि हमने कोई ऋण नहीं लिया है। बैंक ने उन किसानों की कोई सुनवाई नहीं की। भानीपुरा पुलिस थाने मुकदमा दर्ज करवाने पहुंचे तो वहां उनका मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। किसान सभा के नेतृत्व में किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर गुहार लगाई है। कॉमरेड रामकृष्ण छींपा ने बताया कि एनजीओ जो समूह चलाता है उनका और इंडियन बैंक ने मिलीभगत करके लाखों रुपए ऐंठने का काम किया है। हमारी मांग है कि बैंक के खिलाफ कार्यवाही हो और जो समूह है उनको ब्लैक लिस्ट कर उनके संचालकों पर कानूनी कार्यवाही करते हुए किसानों को न्याय दिया जाए। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि न्याय नहीं मिला तो 18 जून को किसान सपरिवार पुलिस थाने सरदारशहर के सामने अनिश्चितकालीन धरना देंगे। ज्ञापन देने वालों में काशीराम सारण, इंद्राज भांभू, अनिल कुमार, सोनू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवैध देशी कट्टे सहित आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार नाकाबंदी के दौरान हैड कांस्टेबल सत्यवीरसिंह की टीम ने यह कार्रवाई की है। जिसके तहत आरोपी आरोपी मुकेश कुमार पुत्र किरोड़ीलाल, निवासी भिलगवा, पुलिस थाना सदर धौलपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी कट्टा बरामद किया है।

तारानगर नगरपालिका के वार्डो का नहीं होगा परिसीमन, हाईकोर्ट ने लगाई रोक

__तारानगर(निस)।__ राजस्थान हाइकोर्ट, जोधपुर ने तारानगर नगरपालिका के वार्ड परिसीमन प्रक्रिया पर राजस्थान हाईकोर्ट ने रोक लगाई है व कोर्ट की ओर से राज्य सरकार को कलेक्टर की ओर से भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार रिट याचिका के अंतिम निपटारे तक मतदाताओं की संख्या और वाडों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं करने बाबत पाबंद किया गया है। मामले की पैरवी कर रहे एडवोकेट रामावतार सिंह चौधरी ने बताया कि चेयरमैन प्रियंका बानो, पार्षद सहदेव सिंह भाटी, बिलाल अहमद, हरिसिंह बेनिवाल, याकूब खान भुटो, मुंशी खान तेली व सफी मोहम्मद आदि ने इस बारे में रिट याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया कि नगरपालिका सीमा में न तो किसी गांव को शामिल किया गया है और ना ही किसी क्षेत्र को बाहर रखा गया है। ना ही नई जनगणना हुई है। जनगणना 2011 के अनुसार पूर्व में वाडों का परिसीमन हो चुका है और वार्ड भी घटाए बढ़ाए नहीं गए हैं। ऐसे में वाडों का पुन: निर्धारण नहीं हो सकता है। एडवोकेट चौधरी की तरफ से दिए गए मुख्य तकों के आधार पर न्यायाधीश संदीप मेहता की एकल पीठ ने उक्त निर्णय दिया। मामले को आगे की सुनवाई के लिए 27 जुलाई को सूचीबद्ध किया गया।

विधायक मनोज मेघवाल ने पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव से की वार्ता

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। रेलवे की ओर से सुजानगढ़ में रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सड़क की जमीन के अधिकरण के संबंध में विधायक मनोज मेघवाल ने जयपुर में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से वार्ता कर उन्हें पूरे प्रकरण की जानकारी दी। इस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों व जिला कलेक्टर से फोन पर बात कर एडीजे कोर्ट के निर्णय की ऊपरी न्यायालय में अपील करने के निर्देश दिए। इस दौरान रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा और सार्वजनिक निर्माण विभाग के सचिव व मुख्य अभियंता भी मौजूद रहे। बता दें कि रेलवे की ओर से सार्वजनिक निर्माण विभाग को रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सडक़ रेलवे को सौंपने के लिए लिखा है। यह सड़क रेलवे की जमीन पर निर्मित है और सुजानगढ़ सीकर, जयपुर, बीकानेर, रतनगढ़, चूरू व जोधपुर, अजमेर, नागौर सहित अनेक बड़े शहरों व ग्रामीण क्षेत्र से जोडऩे के लिए महत्वपूर्ण है। इस सडक़ के संबंध में एडीजे चूरू की ओर से वर्ष 2020 में रेलवे के पक्ष में निर्णय दिया गया था, जिसकी पालना के लिए रेलवे ने सार्वजनिक निर्माण विभाग से पत्राचार किया है।

चूरू में पारा 46 डिग्री, भीषण गर्मी से आमजन बेहाल

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर में गर्मी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। गुरुवार को यहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28.8 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह 7 बजे से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया। दोपहर ढाई बजे तक शहर की मुख्य सड़कें सूनी नजर आईं। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी भागों में आने वाले 48 घंटों में तापमान में 1-2 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। बीकानेर संभाग के गंगानगर और हनुमानगढ़ में 13 जून को अधिकतम तापमान 47-48 डिग्री तक पहुंच सकता है। जोधपुर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में अगले तीन दिन तापमान 44 से 47 डिग्री के बीच रहेगा। कोटा, उदयपुर और भरतपुर संभाग में 14-15 जून से मेघगर्जन और आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। जोधपुर और बीकानेर संभाग में 15 जून को दोपहर बाद बारिश की संभावना है। बीकानेर संभाग में अगले दो दिन 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी हवाएं चल सकती हैं। लोग धूप से बचने के लिए सिर को तौलिये और दुपट्टे से ढककर चल रहे हैं।

ट्रैक्टर चोरी का आरोपी गिरफ्तार, ट्रैक्टर बरामद

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मेहरासर छिन्ना कि रोही से हुए ट्रैक्टर चोरी मामले में 24 घंटे में ट्रैक्टर सहित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को मालकसर निवासी तोलाराम जाट ने मामला दर्ज करवाया था कि मेहरासर छिन्ना कि रोही में खेत में काश्त के लिए रखे व्यक्ति कालसिंह निवासी गंगानगर ट्रैक्टर चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अलग-अलग टीमों का गठन कर तुरंत प्रभाव से आरोपी की तलाश शुरू की गई। मामले की जांच कर रहे हेड कांस्टेबल जगदीश प्रसाद की ओर से जगह-जगह सीसीटीवी खंगालने के बाद आरोपी का पता लगाया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मालसर फांटा से ट्रैक्टर सहित गंगानगर निवासी कालसिह उम्र 45 साल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेश पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सेवा, समर्पण और सफलता की प्रेरणादायी मिसाल

सदसंस्कारों, अच्छे विचारों और सादगी से शिखर पर पहुंची डॉ. शिखा मील बराला

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। चिकित्सा सेवा, सामाजिक सरोकार और राजनीति, ये तीनों क्षेत्र जब एक साथ किसी के व्यक्तित्व में समाहित हो जाएं, तो वह व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। ऐसा ही नाम है चोमूं की पहली महिला विधायक, स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. शिखा मील बराला का। डॉ. शिखा का जन्म झुंझुनूं जिले में हुआ। बचपन से ही उन्हें अपने पिता से प्रेरणा मिली, जो एक सेवाभावी डॉक्टर के रूप में दूर-दराज़ से आने वाले रोगियों की निस्वार्थ सेवा करते थे। उसी सेवा-भावना ने उनके मन में डॉक्टर बनने की इच्छा प्रबल की। बगड़ और पिलानी में 12वीं तक की पढ़ाई के दौरान न केवल वे पढ़ाई में अव्वल रहीं, बल्कि खेलों में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा। हॉकी में जिला स्तर और लॉन टेनिस में राज्य स्तर पर खेलना उनकी बहुआयामी प्रतिभा को

दर्शाता है। 12वीं के बाद कोटा में कोचिंग कर उन्होंने पहले प्रयास में राजस्थान पीएमटी में आठवीं रैंक प्राप्त की और सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर में एमबीबीएस में दाखिला मिला। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज से स्त्री व प्रसूति रोग में पोस्ट ग्रेजुएशन किया और फिर टेस्ट ट्यूब बेबी व दूरबीन सर्जरी में विशेषज्ञता प्राप्त की। वर्ष 2014 में वे चौमूं के बराला हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर से जुड़ीं और अब तक सैकड़ों महिलाओं के जीवन में चिकित्सा के माध्यम से बदलाव ला चुकी हैं। डॉ. शिखा का जीवन सिर्फ हॉस्पिटल तक सीमित नहीं रहा।

उन्होंने 'प्रयास' एनजीओ के माध्यम से महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया, घर-घर जाकर बीमारी और इलाज की जानकारी दी। कोरोना काल में भी उन्होंने अपनी टीम के साथ लोगों को चिकित्सा सहायता, भोजन और संसाधनों की मदद पहुंचाई। उनकी सेवा-भावना, संवेदनशीलता और सक्रिय भागीदारी ने उन्हें आमजन का विश्वास दिलाया, जिसका परिणाम 2023 के विधानसभा चुनावों में सामने आया। डॉ. शिखा मील ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर चोमूं की पहली महिला विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया। जनप्रतिनिधि बनने के बाद उन्होंने न केवल लोगों से मिलकर उनकी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान करने की कोशिश की, बल्कि वर्षों से लंबित कार्यों को भी गति दी। विशेष रूप से चोमूं में बीसलपुर से पानी पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास उल्लेखनीय हैं। डॉ. शिखा मील बराला का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण की मिसाल है। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि अगर मन में जनसेवा की भावना हो, तो कोई भी राह कठिन नहीं होती। उनका लक्ष्य न केवल चिकित्सा के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाना है, बल्कि समाज में हर वर्ग की आवाज बनकर समग्र विकास की दिशा में कार्य करना भी है।

जल व पर्यावरण संरक्षण से ही मानवता का अस्तित्वः बिजेन्द्र सिंह

चूरू उपखंड कार्यालय परिसर में कामिकों ने किया श्रमदान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार चूरू उपखंड अधिकारी कार्यालय परिसर में एसडीएम बिजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को राजस्व व निर्वाचन कार्मिकों ने 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' अंतर्गत श्रमदान किया और पौधरोपण की पूर्व तैयारी की। इस अवसर पर एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि जल व पर्यावरण संरक्षण से ही मानवता का अस्तित्व है। हमने आधुनिकता के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम दोहन किया है। इससलिए विभिन्न पर्यावरणीय समस्याएं हमारे समक्ष चुनौतियों के रूप में खड़ी हैं। हमें इन समस्याओं से निपटने के लिए पर्यावरण के प्रति निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि अभियान अंतर्गत अधिकाधिक पेड़ लगाएं और जल संरचनाओं का रख–रखाव करते हुए जल संरक्षण करें। हमारी सक्रिय भागीदारी से हम अभियान को सफल बनाएं। इस दौरान तहसीलदार अशोक गोरा ने अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान नायब तहसीलदार चुन्नीलाल, प्रवीण कुल्हरि, देवकीनंदन, संदीप, बिजेन्द्र, सुरेन्द्र प्रजापत, धीरसिंह, महेन्द्र, अशोक, जयकरण, प्रवीन्द्र, सुनील, अजय, राजन, उपेन्द्र, नेहा, ऋतुराज, शारदा, चंदा, पूनमचंद, विद्याधर, गणेश, चेतन सहित राजस्व व निर्वाचन कार्मिकों ने श्रमदान किया और मानूसन के दौरान पौधरोपण के लिए पूर्व तैयारी की।

खेजड़ा के ग्रामीणों ने किया आपणी योजना कार्यालय पर प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील की ग्राम पंचायत खेजड़ा के 900 घरों में पिछले 3 से 4 महिनों में आपणी योजना में नियमित पानी सप्लाई नहीं होने के कारण गांव में पानी के लिए लोग सहित पशुधन परेशान है। गांव के ग्रामीणों ने रमेश सारण व ओमप्रकाश मेघवाल के नैतृत्व में आपणी योजना के कार्यालय में प्रदर्शन करते हुए नियमित पानी की सप्लाई चालू करवाने की मांग सहित समस्या के समाधान की मांग की है। रमेश सारण ने बताया कि ग्राम पंचायत के तीन मोहल्ले में 900 घरों को प्रतिदिन 2 लाख लीटर पानी कि आवश्यता है। लेकिन अभी तक मात्र 50 हजार लीटर ही पानी ही मिल रहा है। जिसके कारण गांव में पानी कि भारी किल्ल्त है। बार बार पीएचडी विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है। ऐसे में विभाग के अधिकारी ग्रामीणों का फोन तक नहीं उठा पा रहे है। रमेश सारण ने बताया कि गांव में पानी कि सप्लाई गांव गाजूसर टंकी से होती है। जिसमें कुछ लोगों की ओर से अवैध कनेक्शन भी कर रखे है। इस दौरान ग्रामीणों ने पीएचडी विभाग के एक्सईएन रामदेव पारीक को ज्ञापन देकर पानी की आपूर्ति करवाने की मांग की। इस दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर समय रहते स्थाई समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों को मजबूर होकर सरदारशहर से साहवा जाने वाली मुख्य सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन करने को मजबूर होना पड़ेगा। इस दौरान विभाग के एक्सईएन रामदेव पारीक ने कहा कि जो उचित मांग है उसका स्थाई समाधान करने में लगे हुए है। इस मौके पर दीपाराम गोदारा, नोपाराम, रमेश सारण, चिमनाराम, मालाराम, प्यारेलाल, बृजलाल, चिमनाराम, रोहिताश, शिशपाल, मालाराम नाई, राकेश नाई, दीपाराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नगरपरिषद अधिकारियों को उपखंड अधिकारी ने लगाई फटकार

पंचायत समिति में ब्लॉक स्तरीय जन सुनवाई

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय पंचायत समिति के वीसी रूम में ब्लॉक स्तरीय जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकांश परिवादी नगरपरिषद से सम्बंधित परिवादर लेकर आए। उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने बताया कि 32 से ज्यादा परिवाद आए हैं, जिनमें से आधे नगरपरिषद से सम्बंधित समस्याओं के हैं। जन सुनवाई के दौरान तहसीलदार राजूदेवी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। जन सुनवाई के दौरान नाला सफाई का मसला आने पर उपखंड अधिकारी ने नगरपरिषद के सहायक अभियंता विक्रम जोरवाल को फटकारते हुए कहा कि रेलवे के पास वाला नाला साफ क्यों नहीं हुआ? जिस पर सहायक अभियंता ने सफाई देने की कोशिश की। लेकिन उपखंड अधिकारी ने कहा कि नगरपरिषद काम नहीं करना चाहती और पहली ही बारिश में तीन-तीन दिन तक सड़क पर पानी पड़ा रहा, लोग धरना प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि आप समस्याओं का समय पर समाधान नहीं करते। नालों की सफाई समय पर की होती, तो धरने नहीं होते। इसी प्रकार तहसीलदार से जानकारी लेकर उपखंड अधिकारी ने सहायक अभियंता से कहा कि पम्प सेट किसलिए रखे हुए हैं, केवल बारिश में चलाने के लिए नहीं हैं। हर वक्त पम्पसेट चलाकर पानी की निकासी की जाए, ताकि बारिश आने पर कोई विकट स्थिति नहीं हो। तहसीलदार ने हाल ही में गेनाणियों का निरीक्षण किया था, जिस पर मात्र एक जगह मोटर चालू मिली। उपखंड अधिकारी ने कहा कि नगरपरिषद आयुक्त को दो पत्र भेजे जाए, जिसमें सभी गेनाणियों की मोटरें चालू रखने, नालों की सफाई जल्द कम्पलीट करने के निर्देश दिए जाएंगे। इसी प्रकार नया बास स्थित शुलभ शौचालय में ओ एण्ड एम में केयर टेकर नहीं रखे जाने से भी उपखंड अधिकारी खफा हुए। जिनरासर के उमाराम भामू के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाएं पहुंची, जिन्होंने शौचालयों के पैसे नहीं मिलने तथा पीएम आवास योजना के फार्म स्वीकृत नहीं होने की बात कही। जिस पर उपखंड अधिकारी ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इसी प्रकार विनोद कुमार खटीक ने कहा कि पंचायत समिति के सामने अस्थाई बस स्टेंड बन गया है, इसे यहां से हटाया जाकर सभी बसों का संचालन केंद्रीय बस स्टेंड से ही किया जाए। विजयपाल श्योराण ने रोड़वेज की समय सारणी लगाने की बात कही। बनवारीलाल भार्गव ने अवैध शराब बिक्री को रोके जाने की बात कही। इसी प्रकार रात के आठ बजे के बाद शराब की अवैध बिक्री का प्रश्न उठा, जिस पर आबकारी विभाग से आए कर्मचारी ने कहा कि हम लोग गश्त करते हैं। इस पर विजयपाल श्योराण ने कहा कि आपके गश्त के दौरान चश्मा रहता है, इसलिए आपको अवैध बिक्री कहीं पर भी नजर नहीं आएगी। जिस पर एसडीएम ने रात को अवैध शराब बिक्री रोकने की बात कही। वहीं एक ग्रामीण ने बाघसरा आथूणा में पेयजल किल्लत की समस्या समाधान की मांग की। उपखंड अधिकारी ने सहायक अभियंता को निर्देश दिए गए दोनों एसआई को पाबंद करो कि नाला निकालने के दूसरे दिन कचरा उठाया जावे। इसी प्रकार बनवारीलाल भार्गव ने जनाना अस्पताल के पास इंदिरा रसोई संचालित करने की मांग की। इसी प्रकार नेक मोहम्मद ने न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वालों पर अवमानना की कार्यवाही करने की मांग की। बैठक में बीडीओ रविकुमार, सीबीईओ सुनीता पूनिया, जिप सदस्य नौरंग सीलू, समाज कल्याण अधिकारी बाबूलाल, उद्योग विभाग के फिरोज भाटी, रामानंद फलवाड़िया, पुरूषोतम चौहान आदि मौजूद रहे। जन सुनवाई के दौरान उपखंड अधिकारी और परिवादी विजयपाल श्योराण के बीच कहासुनी हो गई। विजयपाल श्यारोण ने कहा कि मैं बाजार बंद करवाने में शामिल नहीं था, आप मुझ पर झूठा आरोप लगा रहे हैं। जिस पर एस डी एम ने कहा कि सभी व्यापारी बन्द में शामिल थे, तो विजय पाल ने फिर कहा कि आप दूसरा झूठ बोल रहे हैं, आपको माफी मांगनी चाहिए। जिस पर एसीबीईओ मंजू पंवार ने कहा कि आप एसडीएम साहब से मर्यादा से बात कीजिए। जिस पर विजयपाल श्योराण ने पंवार से कहा कि आप पर कोई झूठा आरोप लगाए, तो आपको कैसा लगेगा। करीब दो मिनट तक कहासुनी के बाद मामला शांत हुआ।

सीएम भजनलाल शर्मा के सपनों के झुंझुनूं को साकार करने में जुटा प्रशासन, अग्रणी बन रहा है जिला

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं (निस)। वीरों, शहीदों और भामाशाहों के लिए पहचाने जाने वाले झुंझुनूं पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विशेष फोकस रहा है। देश की सीमाओं की सुरक्षा में जहां झुंझुनूं जिले के वीर जवान हमेशा सबसे आगे नजर आते हैं वहींसीएम का भी झुंझुनूं जिले के विकास पर विशेष फोकस रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यमुना जल समझौते के रूप में सबसे बड़ी सौगात दी है। अप्रैल माह में सीएम शर्मा ने स्वयं 2 दिन झुंझुनूं का दौरा कर मलसीसर डैम का निरीक्षण करते हुए यमुना जल समझौते में प्रगति

की समीक्षा की। उन्होंने हरियाणा सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ भी बैठक कर समीक्षा की और यमुना का पानी झुंझुनूंवासियों को मुहैया कराने की दिशा में एक अहम कदम उठाया। इसके साथ ही जिला प्रशासन भी सीएम भजनलाल शर्मा के सपने के अनुरूप झुंझुनूं जिले को विभिन्न योजनाओं के लिए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने में जुटा है। जिला कलक्टर रामावतार मीणा के निर्देशन में जिले ने बीस सूत्री कार्यक्रम, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना, पौधारोपण, पीएम ग्राम सड़क योजना, मां योजना, राजीविका, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। बीस सूत्री कार्यक्रम में जिले ने 30 में से 28 अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बीसूका में सम्मिलित 10 विभागों एवं योजनाओं में से 9 में झुंझुनूं को "ए" ग्रेड प्राप्त हुई है, जो जिले की प्रगति और समर्पण को दर्शाता है। जिले में पेयजल संकट के समाधान के लिए सीएम भजनलाल शर्मा की फ्लैगशिप स्कीम मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के झुंझुनूं में सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जिला कलक्टर रामावतार मीणा के निर्देशन में वाटरशैड की ओर से जिले में 70 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए 3083 टांके, 39 फॉर्म पौंड, 13 जोहड़, से जिले में भूमिगत जल स्तर 1 से 7 मीटर तक बढ़ा है। वहीं 5 जून से वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत भी बड़े स्तर पर जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण का कार्य शुरु हुआ है। मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत जिले में गत वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड 606 महिलाएं लाभान्वित हुईं हैं और 4 श्रेणियों में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले में 'कर्म भूमि से मातृभूमि' अभियान में भी बेहतरीन कार्य हो रहा है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने मुंबई दौरे में शेखावाटी के प्रवासियों से अपील की थी, जिसके असर के रूप में प्रवासी भामाशाह दिल खोलकर सामने आए हैं। जिले में कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के तहत 200 स्थान चिह्नित किए गए हैं, जिनमें से 60 जल संरक्षण संरचनाएं बन गई हैं, जिनमें आगामी मानसून में वर्षा जल संचय हो सकेगा। सीएम भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में जिले में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण भी बड़े पैमाने पर हुआ है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में तय लक्ष्य 2557 हैक्टेयर में पौधारोपण से 166.95 फीसदी अधिक 4269 हैक्टेयर में पौधारोपण किया गया है। जिले में 19.12 लाख पौधों के तय लक्ष्य से 114.54 फीसदी अधिक 21.90 लाख पौधे लगाए गए हैं, जिनसे जिले में भूमिकटाव को रोकने, पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन के महत्व को देखते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में भी जिले ने 100 फीसदी लक्ष्य हासिल किया है। जिले को मिले 29.900 किमी सड़क निर्माण का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। जिले ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत ई-केवाईसी में भी प्रदेशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।